

संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com | editorial@sancharjagat.com



वर्ष: 13 | अंक: 277 | जयपुर, शुक्रवार, 06 नवम्बर 2026 | मूल्य: 2.00 रूपए | पृष्ठ : 8

मुठभेड़ के बाद घायल 80 हजार का इनामी डकैत कल्ली गुर्जर गिरफ्तार

26 राउंड फायरिंग, पैर में लगी गोली



नई दिल्ली/संचार जगत

- दो रायफल, एक पिस्टल और 50 से अधिक जिंदा कारतूस बरामद
- साथी अजय गुर्जर को भी मुरैना पुलिस ने दबोचा

चंबल अंचल में आतंक का पर्याय बने 80 हजार रुपये के इनामी डकैत कल्ली गुर्जर को मुरैना पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। ललितपुरा के पहाड़ी जंगल में पुलिस और बदमाशों के बीच करीब 26 राउंड फायरिंग हुई।

जवाबी कार्रवाई में कल्ली गुर्जर के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसके साथी अजय गुर्जर को भी गिरफ्तार किया है। एसपी धर्मराज मीना के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिलने पर बानमौर थाना प्रभारी दीपेंद्र यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जंगल में घेराबंदी की थी। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ के बाद दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया।

उनके कब्जे से दो रायफल, एक पिस्टल और 50 से अधिक जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। घायल कल्ली और अजय को जिला अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया है। कल्ली के खिलाफ मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी और श्योपुर सहित विभिन्न जिलों में लूट, डकैती, अपहरण, हत्या और चोरी के 20 मामले दर्ज हैं। कल्ली वर्ष 2022 में गुड्डा गुर्जर गैंग से अलग होकर अपना गिरोह बना चुका था। हाईवे पर टेरर टैक्स मांगने और परिवारों को धमकाने जैसी घटनाओं से वह लगातार सुर्खियों में रहा। फरार बदमाशों की तलाश में पुलिस जंगल में सर्चिंग कर रही है।

▶ 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य

बड़ा फैसला: अब मनमाने समय तक पुलिस नहीं रख सकेगी हिरासत में

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, किसी व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के लिए 24 घंटे की गिनती वास्तविक हिरासत में लिए जाने के समय से होगी शुरू

नई दिल्ली/संचार जगत

सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी और पुलिस हिरासत को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के लिए निर्धारित 24 घंटे की समय-सीमा उसकी औपचारिक गिरफ्तारी से नहीं, बल्कि वास्तविक हिरासत में लिए जाने के समय से शुरू होगी। यानी पुलिस किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने के बाद औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज करने में देरी करके 24 घंटे की समय-सीमा को आगे नहीं बढ़ा सकती।

इस फैसले के साथ अदालत ने त्रिपुरा हाईकोर्ट का आदेश रद्द करते हुए चार आरोपियों को जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। यह फैसला एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में आया है। चार लोगों ने त्रिपुरा हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(2) के तहत निर्धारित 24 घंटे की अवधि की गणना



उस समय से की जानी चाहिए, जब किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता वास्तव में छीन ली जाती है। अदालत के मुताबिक, पुलिस की ओर से गिरफ्तारी दर्ज करने का समय इस गणना का आधार नहीं हो सकता। यदि किसी व्यक्ति को पहले से हिरासत में रखा गया है, तो उस अवधि को भी 24 घंटे की संवैधानिक समयसीमा में शामिल करना होगा।

मजिस्ट्रेट को दर्ज करना होगा हिरासत का वास्तविक समय

सुप्रीम कोर्ट ने मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी भी स्पष्ट की है। अदालत ने कहा कि जब किसी आरोपी को पेश किया जाएगा, तब मजिस्ट्रेट को यह दर्ज करना होगा कि उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता वास्तव में किस तारीख और समय से सीमित की गई थी। इसके बाद मजिस्ट्रेट को स्वतंत्र रूप से जांच करनी होगी कि आरोपी को पेश करने में 24 घंटे की संवैधानिक समयसीमा का पालन हुआ है या नहीं। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट को यह भी देखना होगा कि आरोपी को 24 घंटे के भीतर पेश करने के बावजूद कहीं उसे परिस्थितियों के हिसाब से जरूरत से ज्यादा समय तक तो हिरासत में नहीं रखा गया। यदि मजिस्ट्रेट को लगता है कि हिरासत की अवधि अनुचित रूप से लंबी रही है, तो वह आगे रिमांड देने से इनकार कर सकता है।

सिर्फ 24 घंटे का नियम पूरा करना काफी नहीं, हिरासत भी हो उचित

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि केवल 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर देना ही पर्याप्त नहीं है। पुलिस को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी व्यक्ति को परिस्थितियों के अनुसार उचित समय तक ही हिरासत में रखा जाए। इसके लिए अदालत ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 58 का उल्लेख किया। इस धारा के अनुसार, बिना वारंट गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को पुलिस अधिकारी परिस्थितियों के हिसाब से उचित अवधि से अधिक समय तक हिरासत में नहीं रख सकता। मजिस्ट्रेट के विशेष आदेश के अभाव में यह अवधि यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर 24 घंटे से अधिक नहीं हो सकती।

UGC नियमों की केंद्र सरकार करेगी समीक्षा

बनेगी कमेटी, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आने वाली युवा पीढ़ी का भी ध्यान रखा जाए

नई दिल्ली/संचार जगत



केंद्र सरकार यूजीसी के नए नियमों की समीक्षा करेगी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 2026 के नए नियमों पर दोबारा विचार करने के लिए एक विशेष कमेटी बनाने जा रही है।

ये नियम उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और भेदभाव रोकने से जुड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल जनवरी में इन नियमों पर रोक लगा दी थी। इस मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की चिंताओं को दूर करना चाहती है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि नए नियमों के तहत किसी भी वर्ग के छात्र को ऐसा महसूस न हो कि उसे बाहर रखा जा रहा है या उसके साथ भेदभाव हो रहा है। इस कमेटी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इस व्यवस्था के तहत कोई भी समूह खुद को अलग-थलग आशंकित महसूस न करे। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि नियम बनाते समय सभी छात्रों के हितों का ध्यान रखना जरूरी है।

नए नियमों में क्या है विवाद की वजह

यूजीसी के नए नियमों पर विवाद की मुख्य वजह जातिगत भेदभाव की परिभाषा और शिकायतों के दुरुपयोग की आशंका है। यूजीसी ने 13 जनवरी 2026 को उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव रोकने के लिए नए नियम अधिसूचित किए थे। इनका मकसद एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकना था। विवाद नियम 3(1)(सी) को लेकर शुरू हुआ। इसमें जातिगत भेदभाव की परिभाषा के तहत एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों को शामिल किया गया, लेकिन सामान्य वर्ग के छात्रों को इसमें जगह नहीं दी गई। विरोध करने वालों का कहना है कि इससे सामान्य वर्ग के छात्र जातिगत भेदभाव की शिकायतों के मामले में खुद को असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

6 डिलीट वोटर के नाम वापस जोड़ें

नई दिल्ली/संचार जगत

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वह गोवा के रहने वाले परेश सालगांवकर और उनके परिजनों के नाम वोटर लिस्ट में शामिल करें, जिन्हें एसआईआर के दौरान हटा दिया गया था। कोर्ट ने 6 मतदाताओं के नाम वापस जोड़ने का आदेश दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट के इस आदेश को राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा सकता है.

गोवा एसआईआर पर बॉम्बे हाईकोर्ट का ईसी को आदेश

गुरुवार को गोवा बेंच ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि वह राज्य में वोटर्स लिस्ट के एसआईआर के दौरान हटाए गए छह वोटर्स के नाम को दोबारा से जोड़े। चार दिन तक इस मामले में सुनवाई चली। इसे जस्टिस वाल्मीकि मेनेजेस और जस्टिस अमित जामसांडेकर की खंडपीठ ने गुरुवार को अपना फैसला सुनाया। इससे पहले चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला दिया कि अदालत से इस मामले की सुनवाई टालने का अनुरोध किया था। उस आदेश में हाईकोर्ट से रिट याचिकाओं पर कार्यवाही को स्थगित रखने को कहा गया था। चुनाव आयोग ने कहा है कि गोवा में चुनौती पूरी एसआईआर की प्रोसेस से जुड़ी है। इसमें मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया भी शामिल है।

ट्रम्प के खिलाफ विपक्ष लाएगा महाभियोग

परिवार को अमीर बनाने का आरोप, एपस्टीन मामले की फिर जांच होगी

नई दिल्ली/संचार जगत



मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद अब राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके जरिए उन्हें पद से हटाया जा सकता है।

डेमोक्रेट्स आरोप लगा रहे हैं कि ट्रम्प ने अपने पद का इस्तेमाल कर अपने करीबियों को फायदा पहुंचाया और संपत्ति जुटाई। इससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ा। डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा है कि वे यह पता लगाएंगे राष्ट्रपति रहते हुए ट्रम्प और उनके परिवार की संपत्ति कैसे बढ़ी। उनका फोकस ट्रम्प के बेटों और दामाद जेरेड कुशनर के कारोबारी सौदों पर है।

गार्सिया ने जांच के लिए पांच मुद्दे तय किए हैं। इनमें ट्रम्प परिवार के कारोबारी सौदे, जेफ्री एपस्टीन मामले की जांच में ट्रम्प प्रशासन की भूमिका और अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी (आईसीई) की छापेमारी और कार्रवाई शामिल हैं। वहीं सहायक अटॉर्नी जनरल हरमीत ढिल्लों ने गुरुवार को अपने पद से त्याग पत्र दिया।

हूतियों ने सऊदी अरब के सामने रखी शर्तें, मांगे 51 अरब डॉलर

सना, आरएनएन। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के सामने शांति के बदले में बेहद भारी शर्तें रख दी हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब से युद्धविराम के बदले में 51 अरब अमेरिकी डॉलर की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह शर्त भी रखी है कि रियाद उन्हें यमन का असली शासक मान ले। यह मांग तब सामने आई जब हूतियों ने लाल सागर में सऊदी तेल टैंकरों पर हमला किया और रियाद तनाव को और बढ़ने से रोकना चाहता था। अगर सऊदी अरब यह शर्त मान लेता है, तो इसका मतलब सिर्फ पैसे देना नहीं होगा। इससे रियाद को ईरान के समर्थन वाले एक हथियारबंद समूह को अपने दक्षिणी पड़ोसी देश का शासक स्वीकार करना पड़ेगा।

डीआरडीओ ने किया प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली/संचार जगत



देश में विकसित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल प्रलय का ओडिशा के तट से गुरुवार को सफल टेस्ट किया डीआरडीओ ने बताया कि मिसाइल को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से पूर्वाह्न करीब 11.10 बजे परीक्षण-लॉन्च किया गया था। चांदीपुर की इंटिग्रेटेड टेस्ट रेंज की ओर से तैनात विभिन्न रेंज उपकरणों द्वारा एकत्रित आंकड़ों ने मिसाइल के सफल टेस्ट पुष्टि की। मिसाइल की मारक क्षमता 500 किमी तक है।

हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत ने अन्य डीआरडीओ लेब्स के सहयोग से 'प्रलय' को स्वदेशी रूप से विकसित किया है। यह भारत की स्वदेशी मिसाइल विकास क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण इजाफा है। इस मिसाइल सिस्टम का निर्माण बीडीएल ने किया है, जो इसके विकास और उत्पादन से जुड़े साझेदारों में से एक है। डीआरडीओ के वरिष्ठ अफसरों, रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के सदस्यों ने इस उड़ान परीक्षण को देखा, जो उपयोगकर्ता मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत किया गया था। इस ताज़ा सफल टेस्ट के साथ, अब यह मिसाइल सिस्टम सशस्त्र बलों में शामिल किए जाने के करीब पहुंच गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने टीम को दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग भागीदारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों से लैस यह मिसाइल देश की तकनीकी क्षमताओं को और मजबूत करेगी, तथा उभरते खतरों के खिलाफ सेना की तैयारियों को और बेहतर बनाएगी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी इस सफल उड़ान परीक्षण में शामिल टीमों को बधाई दी।

परागवे में राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने दिया इस्तीफा

असुंसियन, आरएनएन। परागवे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने देश के प्रमुख उएनो बैंक के अचानक बंद होने और गहराए वित्तीय संकट के बाद गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आधी रात को बैंक का कामकाज अचानक ठप होने के कारण लाखों ग्राहक अपने पैसों की निकासी करने में असमर्थ रहे, जिससे पूरे देश में बड़ा घोटाला और गहरा राजनीतिक हंगामा खड़ा हो गया।

दिल्ली में तीन मंजिला इमारत गिरने से दो लोगों की मौत

नई दिल्ली, आरएनएन। राजधानी दिल्ली के चावड़ी बाजार में एक तीन मंजिला इमारत हादसे में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है। इस हादसे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन इमारत अचानक से भरभराकर गिर गई। राहत और बचाव का काम जारी है। रिपोर्ट के अनुसार हादसा सुबह 9 बजकर 50 मिनट पर हुआ है। चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के सामने गली सितारा में ये इमारत गिरी है। कम से कम 5 दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

खेड़ा ने अरुणाचल-मणिपुर पर शाह को घेरा

गृह मंत्रालय आपसे संभल नहीं रहा, कुर्सी से चिपके मत रहिए

नई दिल्ली/संचार जगत

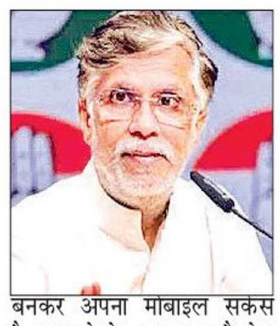

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा है कि मोटा भाई, गृह मंत्रालय आपसे संभल नहीं रहा, तो कुर्सी से चिपके क्यों बैठे हैं? 7 साल में देश के 3 करोड़ घुसपैठिए नहीं संभल रहे। 3 साल से मणिपुर नहीं संभल रहा। अब तो अरुणाचल प्रदेश भी नहीं संभल रहा। उन्होंने कहा, पुलवामा हुआ,पहलगाम हुआ, लाल किले पर धमाका हुआ,देश की राजधानी के बिल्कुल बगल में 300 किलो आरडीएक्स मिला, आपके बस की बनकर अपना मोबाइल सकस हैदराबाद से लेकर करनाल और देश के बाकी राज्यों में घुमाइए। गृह मंत्रालयका बेड़ा गर्क क्यों कर रहे हैं? उन्होंने तंज कसा कि बेचारे नितिन नवीन को आजाद कीजिए। वैसे भी कुछ समझ नहीं आ रहा।

खंडवा की सिंगल मदर कृष्णा ने तीन अनाथ सगे भाइयों को लिया गोद

तीनों बच्चों के माता-पिता का कोरोना में हो गया था निधन

नई दिल्ली/संचार जगत



कृष्णा घड़िये ने मातृत्व और हौसले की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो पूरे मध्यप्रदेश के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने एक साथ तीन अनाथ सगे भाइयों उम्र लगभग 5, 7 और 12 वर्ष को गोद लेकर अपना परिवार पूरा किया है। मप्र में किसी सिंगल मदर द्वारा एक साथ तीन सिबलिंग बच्चों को गोद लेने का यह पहला मामला बताया जा रहा है।

यह पूरी दत्तक ग्रहण प्रक्रिया खंडवा की सहज समागम फाउंडेशन (कीलकारी शिशु गृह) और केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के माध्यम से पूरी हुई।कृष्णा का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वे शिक्षा विभाग में हेडमास्टर पद तक पहुँचीं। समाज सेवा में अग्रणी कृष्णा वर्षों से 50-60 बच्चों के हॉस्टल की देखरेख भी कर रही हैं। गोद लिए गए तीनों बच्चों के माता-पिता का कोरोना में निधन हो चुका था और वे उत्तर प्रदेश की एक संस्था के संरक्षण में थे। तीनों भाइयों का आपसी रिश्ता न टूटे, इसलिए कृष्णा ने तीनों को एक साथ अपनाने का फैसला किया। वे स्वयं कार चलाकर यूपी पहुँचीं और औपचारिकताएं पूरी कर बच्चों को सम्मान व स्नेह के साथ खंडवा ले आईं।

20 हजार रुपए की रिश्वत लेते एडीएम ऑफिस का बाबू धराया

नई दिल्ली/संचार जगत



कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को लोकायुक्त पुलिस की टीम ने दबिश देकर एडीएम कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी रोहित गोठवाल को बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों दबोच लिया। नागदा के बिरलाग्राम निवासी बृजेश विश्वकर्मा ने कुछ समय पहले कलेक्ट्रेट पहुंचकर गुहार लगाई थी कि उनकी मां के जरूरी दस्तावेजों का दुरुपयोग कर किसी शख्स ने उज्ज्वला योजना का फर्जी गैस कनेक्शन हथिया लिया है। जनसुनवाई में आवेदन के बाद मामला खाद्य विभाग को सौंपा गया, जिसने अपनी जांच पूरी कर रिपोर्ट एडीएम कार्यालय के सुपुर्द कर दी। इसके बाद दफ्तर के बाबू रोहित गोठवाल ने फाइल आगे बढ़ाने और कार्रवाई के एवज में पचास हजार रुपए की डिमांड की। हालांकि, बाद में सौदा बीस हजार रुपए में तय हुआ। गुरुवार को फरियादी बृजेश ने जैसे ही क्लर्क को बीस हजार रुपए थमाए, वैसे ही लोकायुक्त टीम ने उसे उसकी सीट पर ही धर दबोचा।

उज्जैन में भगवान महाकाल के आंगन से होगी दीपावली पर्व की शुरुआत

धनतेरस पर धन कुबेर और चांदी के सिक्कों का होगा पूजन

नई दिल्ली/संचार जगत



पांच दिवसीय दीपावली पर्व की शुरुआत सबसे पहले भगवान महाकाल के आंगन से होगी। धनतेरस पर शुक्रवार को महाकालेश्वर मंदिर में परंपरानुसार विशेष पूजन-अभिषेक किया जाएगा। सुबह होने वाली भस्म आरती में पुजारी गर्भगृह में फुलझड़ी जलाकर दीपावली पर्व का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान भगवान महाकाल के साथ धन के देवता कुबेर और चांदी के सिक्कों का पूजन किया जाएगा। बाबा महाकाल को चांदी का सिक्का भी अर्पित किया जाएगा। मंदिर में धनतेरस से लेकर दीपावली तक पांच दिवसीय पर्व पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जाएगा।

धनतेरस पर मंदिर के नंदी हॉल में सुबह करीब 9 बजे पुरोहित समिति द्वारा महापूजा शुरू की जाएगी। करीब एक घंटे तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में सबसे पहले गणपति पूजन और महालक्ष्मी पूजन होगा। इसके बाद भगवान महाकाल का पंचामृत पूजन और रुद्राभिषेक किया जाएगा। पूजा में वैभव, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी।

पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण में सरपंच पदों के लिए 90.12 प्रतिशत रहा अंतिम मतदान

सांगानेर में सर्वाधिक 91.90 प्रतिशत तथा माधोराजपुरा में 91.48 प्रतिशत मतदान

संचार जगत





जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण के तहत जयपुर जिले की पांच पंचायत समितियों की 133 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों के लिए गुरुवार को मतदान संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि अंतिम रूप से जिले में कुल 90.12 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस दौरान कुल 3,74,816 मतदाताओं में से 3,37,795 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति क्षेत्रवार प्राप्त अंतिम आंकड़ों के अनुसार चाकसू में 90.17 प्रतिशत, कोटखावदा में 86.70 प्रतिशत, माधोराजपुरा में 91.48 प्रतिशत, फागी में 89.91 प्रतिशत तथा सांगानेर में 91.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इनमें सांगानेर पंचायत समिति क्षेत्र में सर्वाधिक 91.90 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि माधोराजपुरा में 91.48 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान के समयवार आंकड़ों आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः 10 बजे तक 22.45 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 48.97 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 66.50 प्रतिशत तथा सायं 6 बजे तक 87.91 प्रतिशत मतदान तथा अंतिम रूप से 90.12 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

संभागीय आयुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक ने मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर लिया जायजा



संचार जगत

टोंक। पंचायती राज आम चुनाव के तृतीय चरण के अंतर्गत पंच व सरपंच पदों के लिए गुरुवार को हुए मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से सभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़ एवं पुलिस महानिरीक्षक डॉ. रवि ने टोंक जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पंचायत समिति पचेवर की ग्राम पंचायत पारली, पचेवर व गनवर, पंचायत समिति मालपुरा की ग्राम पंचायत चांदसेन, धौली व लावा तथा पंचायत समिति पीपलू की ग्राम पंचायत झिराना में स्थापित मतदान केंद्रों का दौरा किया।उन्होंने सभी मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की सार्थक अपील भी की तथा विभिन्न मतदान केंद्रो का निरीक्षण कर मतदाताओं को मतदान केंद्र पर उपलब्ध बिजली, पानी, स्वच्छता, सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान संपन्न

संचार जगत

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण के तहत गुरुवार को जयपुर जिले की पांच पंचायत समितियों चाकसू, कोटखावदा, माधोराजपुरा, फागी एवं सांगानेर की 133 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए निर्वाचन कार्य में नियुक्त अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों से मतदान प्रक्रिया एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदान प्रक्रिया के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखी जाएं तथा निर्वाचन संबंधी कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराए जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाने वाले सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। मतदाताओं के सहयोग एवं सक्रिय भागीदारी से निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों एवं अन्य कार्मिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग देने वाले आमजन का भी आभार व्यक्त किया।

बोनस का भुगतान दीपावली से पूर्व ही करवाया जाए : सहायक श्रम आयुक्त

संचार जगत

टोंक। टोंक जिले के समस्त नियोजकों, प्रबन्धकों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, वाणिज्यिक संस्थानों और आउटसोर्सिंग/ठेका एजेंसियों को सूचित कर अपील की जाती है कि दीपावली का पावन त्योहार निकट आ रहा है। श्रमिको एवं कर्मचारियों की मेहनत के फलस्वरूप ही व्यवसायिक और औद्योगिक संस्थानों की प्रगति संभव होती है। अतिरिक्त श्रम आयुक्त एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, राजस्थान, जयपुर के निर्देषानुसार, प्रत्येक संस्थान को विश्रीय वर्ष के 8 माह की समाप्ति के भीतर देय बोनस का भुगतान किया जाना अनिवार्य है। इसलिए समस्त नियोजकों, प्रबंधकों, औद्योगिक संस्थानों, प्रतिष्ठानों, दुकानों, वाणिज्यिक संस्थानों और आउटसोर्सिंग ठेका एजेंसियों को सुचित करते हुए अपील की जाती है कि नियमानुसार बोनस का भुगतान दीपावली से पूर्व ही करवाया जावें ताकि श्रमिक वर्ग इस त्योहार को हर्षोल्लास से मना सके।

वन राज्यमंत्री ने अलवर जिले के मुनि सौम्य सागर महाराज मंगल प्रवचन कार्यक्रम में की शिरकत

संतों का सान्निध्य मानव जीवन को करता है सकारात्मक दिशा प्रदान : शर्मा



संचार जगत

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरूवार को अलवर के केंद्रीय कारागृह में आयोजित दिगम्बर जैन संत मुनि सौम्य सागर महाराज मंगल प्रवचन कार्यक्रम में शिरकत कर उनके प्रवचन का श्रवण किया। शर्मा ने कहा कि जैन संतों का तप, त्याग और अनुशासित जीवन समाज को सत्य, अहिंसा, करुणा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि संतों का सान्निध्य मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। इनके प्रवचन, साधना एवं सेवा के विविध कार्यक्रम समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं तथा लोगों को सदाचार, आत्मानुशासन और परस्पर सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। इस दौरान वन राज्य मंत्री ने जेल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

राष्ट्रवाद की ज्योति जलाये - देवनानी

देवनानी ने एबीवीपी कार्यालय में सौर ऊर्जा सयंत्र का किया लोकार्पण

स्पीकर देवनानी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दीपावली स्नेह मिलन समारोह में सम्मिलित हुए

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि युवा राष्ट्रवाद की ज्योति जलाये भारत का राष्ट्रवादी युवा जागरूक है। वे सक्रिय रहकर आगे आएं और राष्ट्र विरोधी शक्तियों का मुंह तोड जवाब दे।

देवनानी ने कहा कि जेनजी के नाम से भ्रम फैला रही ताकतों से भी सावधान रहें। अपनी क्षमता का उपयोग राष्ट्र के लिए करें। संवाद करें, आपसी सहमती बनाएं और सकारात्मक ढंग से अपनी बात लोगों के मध्य रखें। देवनानी गुरूवार को यहां जनता कॉलोनी स्थित एबीवीपी में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने कार्यालय में नवनिर्मित 25 वॉट के सौर ऊर्जा सयंत्र का लोकार्पण किया। देवनानी ने इस अवसर पर आयोजित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। देवनानी ने इस मौके पर अजय, महापौर सुनील कोठारी, उप महापौर मती सरोज कंवर सहित नवनिर्वाचित पार्षदों का शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। देवनानी ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सनातन संस्कृति में महत्वपूर्ण है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, माता सीता और भरत का चरित्र आज भी सामायिक है। इन सभी का त्याग और सौहार्द मानव जीवन का परिचायक है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कारों को अपनाए। व्यक्ति निर्माण का कार्य संवाद से होता है। इसे निरन्तर बनाए रखें। 1950 में लगा परिषद का ये पौधा अब वट वृक्ष बन गया है। विचारों के साथ आगे बढे। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नये आयामों के साथ भारत की अखण्डता पर कोई आंच ना आने दे। देवनानी ने कहा कि दीपावली भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परम्परा और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक पर्व है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा तथा अज्ञान से ज्ञान की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। ऐसे स्नेह मिलन समारोह सामाजिक आत्मीयता, सांस्कृतिक मूल्यों और संगठनात्मक एकजुटता को सुदृढ़ करने का महत्त्वपूर्ण माध्यम हैं।

उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रवादी विचार, विद्यार्थी हितों के प्रति समर्पण तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि युवा शक्ति भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। युवाओं में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध, सामाजिक उत्तरदायित्व और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गौरव की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। समारोह को परिषद के अश्विनी शर्मा, रोहित जैन, विक्रान्त खण्डेलवाल, जिनेश जैन और शुभेन्द्र सिंह ने भी सम्बोधित किया।

कुहाड़ा बुजुर्ग में प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प

संचार जगत

टोड़ारायसिंह। कुहाड़ा बुजुर्ग गांव में पंचायत प्रशासन, ग्राम विकास समिति एवं युवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में इस बार प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प लिया गया है।

इसके तहत गांव में घर-घर सफाई अभियान और घर-घर रोशनी कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय किया गया। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

अपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने प्रदान किया पुरस्कार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की बड़ी उपलब्धि

संचार जगत



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान राज्य ने देश के हरित ऊर्जा परिदृश्य में एक बार फिर अपनी सर्वोच्चता सिद्ध की है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा विकसित नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मूल्यांकन तंत्र के तहत राजस्थान को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एक्सपो-2026' के समापन सत्र में उपराष्ट्रपति द्वारा राजस्थान को यह गौरवपूर्ण सम्मान प्रदान किया गया। राज्य की ओर से उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से यह पुरस्कार ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर तथा राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने ग्रहण किया। इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राजस्थान देश का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी हब बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 51.6 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता तथा 45 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित हो चुकी है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा उत्पादन के साथ सौर ऊर्जा क्षमता एवं पीएम-कुसुम योजना में देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट जीवाश्म रहित ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसी क्रम में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के सहयोग से विकसित नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मूल्यांकन तंत्र (आरई-एसएएफ) के अंतर्गत देश के सर्वश्रेष्ठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में राजस्थान ने श्रेष्ठ उपलब्धि हासिल की है। उल्लेखनीय है कि राज्यों का यह मूल्यांकन नवीकरणीय ऊर्जा विकास, नीतिगत एवं नियामकीय व्यवस्था, ग्रिड की तैयारी, डिस्कॉम के प्रदर्शन तथा निवेश के अनुकूल वातावरण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर किया गया है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक के तहत प्रदेशभर में जागरूकता गतिविधियां आयोजित

संचार जगत

जयपुर। पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण तथा आमजन को पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से राजस्थान में 1 से 7 नवंबर तक BRICS Sustainable Lifestyle Week 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस सप्ताह के पांचवें दिन गुरुवार को Say No to Single Use Plastic थीम पर प्रदेशभर में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

राज्य भर में हुए कार्यक्रमों के दौरान कपड़े एवं जूट के थैलों, स्टील एवं अन्य पुनः उपयोग योग्य बोतलों तथा प्लास्टिक के स्थान पर वैकल्पिक उत्पादों के इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने, पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने तथा अपने आसपास स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

प्रदेशभर में आयोजित की गईं जागरूकता गतिविधियां

ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में संबंधित विभागों, नगरीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संस्थाओं के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर टिकाऊ विकल्प अपनाने, प्लास्टिक कचरे को खुले में नहीं फेंकने तथा कचरे का उचित पृथक्करण एवं निस्तारण करने के प्रति जागरूक किया गया।

कल राज्य स्तरीय ई-वेस्ट कलेक्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम

ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक के छठे दिन 6 नवंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC) में राज्य स्तरीय ई-वेस्ट कलेक्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित संग्रहण, वैज्ञानिक निस्तारण एवं अधिकृत रिसाइक्लर्स के माध्यम से पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से आमजन, सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों एवं औद्योगिक इकाइयों को अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जिम्मेदार प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा।

सतत जीवनशैली अपनाने का सामूहिक संकल्प

पर्यावरण संरक्षण को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। प्लास्टिक का कम उपयोग, ई-वेस्ट का सुरक्षित निस्तारण, ऊर्जा एवं जल संरक्षण तथा संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग जैसे छोटे-छोटे प्रयास सतत एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

दिवाली के अवसर पर उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए प्रदेशभर में उपभोक्ता मामले विभाग का विशेष निरीक्षण अभियान जारी

संचार जगत

जयपुर। दिवाली के अवसर पर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा एवं बाजार में सही माप-तौल व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता मामलों के मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशन में विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा प्रदेशभर में 2 नवम्बर से विशेष निरीक्षण अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक प्रदेशभर में कुल 241 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया है। जांच के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों में पैक्ड वस्तुओं पर नियमानुसार आवश्यक घोषणाएं नहीं पाए जाने एवं अन्य अनियमितताओं के संबंध में 30 फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं। अभियान के तहत प्रदेशभर में कुल 8 लाख 16 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।



जयपुर में कम मात्रा पाए जाने पर दो फर्मों पर 90 हजार रुपये का जुर्माना

जयपुर में 02 नवम्बर को निरीक्षण के दौरान सुरेश बेकरी, गोपालपुरा बाईपास पर खारी बिस्किट के 300 ग्राम के पैकेट तथा अग्रवाल कैटर्स, शास्त्री नगर पर सोन पपड़ी के 800 ग्राम के पैकेटों की जांच की गई। जांच में दोनों उत्पादों में पैकेट पर घोषित मात्रा से कम सामग्री पाई गई। इस पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों फर्मों पर कुल 90 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। जोधपुर की कृषि उपज मंडी स्थित न्यूट्रिसेफ कंपनी में निरीक्षण के दौरान ई-कॉमर्स के माध्यम से बेचे जा रहे मिश्रित ड्राई फ्रूट्स के पैकेटों में गंभीर अनियमितता सामने आई। पैकेट पर एक किलोग्राम शुद्ध मात्रा अंकित थी तथा कीमत 999 रुपये निर्धारित थी, जबकि जांच में प्रति पैकेट औसतन केवल 755.7 ग्राम सामग्री पाई गई।

बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने सीएस से की मुलाकात



संचार जगत

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के डेलीगेट्स के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के अधिवक्ताओं के कल्याण, उनकी समस्याओं के निराकरण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने सरकार की बजट घोषणा की क्रियान्विति के तहत प्रदेश के अधिवक्ताओं की समस्याओं के निराकरण एवं उनके कल्याण के लिए बार कौंसिल को अधिवक्ता कल्याण कोष की सहायता राशि में वृद्धि करने की मांग रखी। साथ ही, राजस्थान के विभिन्न अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री अधिवक्ता कल्याण योजना का लाभ पात्र अधिवक्ताओं तक पहुंचाने, योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अधिवक्ताओं के हितों से जुड़ी अन्य मांगों पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुत सभी मांगों एवं सुझावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके उचित निराकरण के संबंध में आश्वस्त किया।

अग्निवीर योजना पर फैसला बदलकर सरकार ने गलती स्वीकारी: सचिन पायलट

संचार जगत



जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने अग्निवीर योजना में किए गए बदलावों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि राहुल गांधी की चिंताएं सही साबित हो रही हैं। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। साथ ही, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दों और पंजाब के नशा संकट को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की टिप्पणियों के खिलाफ राहुल गांधी का बचाव किया। सचिन पायलट ने कहा कि सरकार ने अग्निवीर योजना को लेकर जो रोलबैक किया है, ऐसा हम पहले भी देख चुके हैं। राहुल गांधी ने जो बातें कही थीं, वे धीरे-धीरे सही साबित होती जा रही हैं। तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े। पहले राहुल गांधी की बातों को लेकर उन्हें तरह-तरह के नाम दिए गए लेकिन बाद में सरकार को अपने फैसले बदलने पड़े। जनगणना के मुद्दे पर भी सरकार को अपना रुख बदलना पड़ा और अब अग्निवीर योजना को लेकर फैसला लिया गया है।' सचिन पायलट ने कहा कि हम शुरू से कहते आ रहे थे कि यह योजना सही नहीं है। चार साल बाद जब युवा सेना से बाहर होंगे तो वे खुद को असुरक्षित और खोया हुआ महसूस करेंगे। पहले स्थायी भर्ती की व्यवस्था थी, फिर अग्निवीर योजना लाने की जरूरत क्यों पड़ी और अब ऐसा क्या बदल गया कि सरकार 25 प्रतिशत से बढ़ाकर करीब 75 प्रतिशत तक भर्ती को लेकर बदलाव कर रही है? कभी अमेरिका के साथ डील, कभी कानूनों में बदलाव और कभी अग्निवीर जैसे गंभीर विषयों पर सरकार को रोलबैक करना पड़ रहा है। पायलट ने कहा कि राहुल गांधी शुरू से जो बातें कह रहे हैं, सरकार उन्हीं मुद्दों पर बैकफुट पर नजर आ रही है। जनता में गहरा असंतोष है।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए मंडल करेगा विशेष निगरानी



जयपुर। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने तथा सतत जीवनशैली को दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा आयोजित 'ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक' के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में सप्ताह के छठे दिन आज जयपुर स्थित आरआईसी में राज्य स्तरीय ई-वेस्ट कलेक्शन कार्यशाला एवं संग्रहण अभियान आयोजित किया जाएगा। इसमें वर्तमान डिजिटल युग में इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल उपकरणों का उपयोग, ई-वेस्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन सहित इससे जुड़े विविध विषयो पर चर्चा की जाएगी। ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक के माध्यम से मंडल का प्रयास है कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी केवल संस्थानों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बने।

जन आधार से योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें - मुख्य सचिव



संचार जगत

जयपुर। श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में राजस्थान जन आधार प्राधिकरण की उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जन आधार के माध्यम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, तकनीकी पहलुओं, सेवा वितरण की गुणवत्ता तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। बैठक में वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी, सुगम एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाने में जन आधार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन आधार व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाते हुए इसके तकनीकी पक्षों में निरंतर सुधार किये जाए तथा आमजन को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश में संचालित 85 हजार से अधिक ई-मित्र केंद्रों के संचालकों के साथ विभाग द्वारा फेसबुक लाइव के माध्यम से विशेष संवाद आयोजित किया जाए। इस संवाद के माध्यम से जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली जाएगी। साथ ही ई-मित्र केंद्रों के माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों एवं सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

सचिव ने राजस्थान सम्पर्क केंद्र का किया निरीक्षण

संचार जगत



जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव पूनम ने सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क केंद्र का निरीक्षण किया और परिवादियों से वीडियो कॉल के माध्यम से बात की। बातचीत में परिवादियों ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की किस्त का भुगतान,और आंगनबाड़ी केंद्र का काम रुकने की जानकारी दी। इस मौके पर सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर निस्तारण के निर्देश दिए। नागौर के नंदलाल शर्मा का आंगनबाड़ी भवन की मरम्मत से जुड़ा परिवाद भी समीक्षा के लिए रखा गया। पूनम ने बताया कि भवन को शिफ्ट करने के आदेश जारी कर दिए गये है, जल्द ही शिफ्ट करवा दिया जाएगा और अगर अधिकारी देरी करते है तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं के शीघ्र निदान का निर्देश दिया। इस अवसर पर सचिव ने राजस्थान सम्पर्क 181 कॉल सेन्टर में गुणवत्ता प्रदर्शन करने वाले कॉल सेन्टर कार्मिकों को उपहार प्रदान किए तथा उन्होंने अच्छा काम करने के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान सम्पर्क 181 पर आमजन की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण एवं प्रभावी निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित समीक्षा की जा रही है।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की बड़ी उपलब्धि

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान



संचार जगत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान राज्य ने देश के हरित ऊर्जा परिदृश्य में एक बार फिर अपनी सर्वोच्चता सिद्ध की है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा विकसित नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मूल्यांकन तंत्र के तहत राजस्थान को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एक्सपो-2026' के समापन सत्र में उपराष्ट्रपति द्वारा राजस्थान को यह गौरवपूर्ण सम्मान प्रदान किया गया। राज्य की ओर से उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से यह पुरस्कार ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर तथा राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने ग्रहण किया। इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राजस्थान देश का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी हब बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 51.6 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता तथा 45 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित हो चुकी है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा उत्पादन के साथ सौर ऊर्जा क्षमता एवं पीएम-कुसुम योजना में देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट जीवाश्म रहित ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

नशे में कार ड्राइवर ने दो को कुचला

जयपुर। जयपुर के आमेर में नशे में कार चला रहे ड्राइवर ने स्कूटी और फिर बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार साहिल और बाइक सवार शोएबुद्दीन की मौत हो गई। तीन युवक कलीमुद्दीन, सोहेल और तरुण घायल हो गए। मृतक शोएब चार महीने पहले ही पिता बना था, वहीं साहिल के घर में 12 नवंबर को बहन की शादी की तैयारियां चल रही थीं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौजूद लोगों ने भीलवाड़ा निवासी कार ड्राइवर अयान हाल सांगानेर और साथी सागर सोलंकी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई के लिए 6 टास्क फोर्स गठित

संचार जगत



जयपुर। जोजरी, बांडी और लूनी नदी बहाव क्षेत्र में खनिज बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण पर सख्ती से कार्रवाई और निगरानी व्यवस्था चाकचौबंद करने के लिए सरकार ने 6 टास्क फोर्स का गठन किया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि टास्क फोर्स को हाईलेवल इकोसिस्टम ओवरसाइट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय और एनजीटी द्वारा जारी निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। सिरोही, सोजत सिटी, जालौर, बाड़मेर, जोधपुर और गोटन में अलग अलग 6 टास्क फोर्स खनिज बजरी खनन पट्टाधारकों द्वारा पर्यावरण क्लीयरेंस, नदी क्षेत्र में निर्धारित गहराई तीन मीटर तक खनन, नदी के किनारों पर निर्धारित दूरी छोड़ने आदि की जांच और निगरानी कर कार्रवाई करेगी। टास्क फोर्स पर्यावरण क्लीयरेंस का उल्लंघन, नदी क्षेत्र में निर्धारित गहराई तीन मीटर से अधिक तक खनन, नदी के किनारों की तरफ निर्धारित दूरी नहीं छोड़ने और पानी की सतह से नीचे बजरी खनन किये जाने आदि तथ्यों की भी नियमित जांच कर कार्रवाई व रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। गौरतलब है कि अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। टास्क फोर्स को फील्ड में मोनिटरिंग व्यवस्था को चाक चौबंद करते हुए अवैध गतिविधियों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी एंफोर्समेंट एण्ड मोनिटरिंग गाइडलाइंस फॉर सेंड माइनिंग के अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। टास्क फोर्स निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने और सख्ती से कार्रवाई के साथ किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी।

अभिषेक चौधरी बने युवा कांग्रेस के अध्यक्ष

जयपुर।अभिषेक चौधरी को राजस्थान यूथ कांग्रेस का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। अभिषेक चौधरी के साथ ही अनिल चौपड़ा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और राजकुमार पारसवाल को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने तीनों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। पिछले महीने अक्टूबर की शुरुआत में ही यूथ कांग्रेस चुनावों का रिजल्ट घोषित किया गया था।अध्यक्ष पद के लिए अभिषेक चौधरी को सबसे ज्यादा 6.15 लाख वोट मिले थे जबकि अनिल चोपड़ा 5.45 लाख वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे, राजकुमार परसवाल 1.95 लाख वोट के साथ तीसरे नंबर पर रहे थे। वोटों के लिहाज से अभिषेक चौधरी का अध्यक्ष बनना लगभग तय था।

सीएनजी स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों की पालना के निर्देश

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक विनय पाटनी ने अधिकारियों और कार्मिकों से सुरक्षा मानकों के मसले पर वर्चुअली संवाद किया। इस मौके पर उन्होंने सीएनजी स्टेशनों पर आने वाले उपभोक्ताओं को भी सुरक्षा मानकों के प्रति सचेत करने और पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए सीएनजी स्टेशनों आदि संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने और स्टेशनों पर कंप्रेसर जैसे क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगाने को कहा। विनय पाटनी ने राजस्थान स्टेट गैस के कोटा, नीमराणा, कूकस, ग्वालियर और श्योपुर में संचालित सीएनजी स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना के निर्देश दिए है। उन्होंने आम नागरिकों से भी आग्रह किया है कि पटाखें आदि ज्वलनशील उत्पाद चलाते समय गैस पाइपलाइन से दूरी बनाये रखने के साथ ही गैस रिसाव या इस तरह की अनहोनी घटना की स्थिति में तत्काल टोलफ्री नंबर पर सूचित करने का कष्ट करें।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग का बड़ा अभियान

488 मामले दर्ज, 78 आरोपी गिरफ्तार

संचार जगत



जयपुर। राज्य में मदिरा एवं अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आबकारी निरोधक दलों द्वारा नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत एक से चार नवम्बर तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 488 अभियोग दर्ज किए गए। अभियान के दौरान 1246 लीटर देशी मदिरा, 7054 लीटर भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 370 लीटर बीयर और 4049 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई है। अभियान के दौरान 98 हजार 365 लीटर वॉश नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान दुपहिया वाहन 6 जब्त करते हुए 78 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है।

प्रदेशभर में 1.56 लाख किलो संदिग्ध खाद्य सामग्री सीज



जयपुर। दीपावली विशेष अभियान के तहत 4 नवंबर तक प्रदेशभर में 1 लाख 55 हजार 980 किलो संदिग्ध खाद्य सामग्री सीज की गई है, जबकि 45 हजार 551 किलो से अधिक दूषित एवं अखाद्य सामग्री मौके पर नष्ट करवाई गई है। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दलों द्वारा प्रदेशभर में मिलावटखोरों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में गठित विशेष जांच दलों ने 13 अक्टूबर से 4 नवंबर 2026 तक 3,587 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान 3,112 विधिक एवं 1,983 सर्विलांस सहित कुल 5,095 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए गए। खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले 237 कारोबारियों को सुधार के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

संचार जगत

जयपुर। राज्य में अलग अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। अजमेर जिले में सरवर-केकड़ी रोड पर सूरजपुरा गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। सरवर के रहने वाले तीन युवक सुबह मोटरसाइकिल से केकड़ी जा रहे थे। सूरजपुरा गांव के पास, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कारण तीनों युवक सड़क पर जा गिरे। इनमें से दो ट्रेलर के नीचे कुचले गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अन्य घटना में, नागौर जिले के मकराना इलाके के बरवाला गांव में ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में एक पिता और उनके छह साल के बेटे की मौत हो गई।

ट्रेन में पटाखे ले जाने पर 10 हजार का जुर्माना

संचार जगत

जयपुर। ट्रेन में पटाखे या आग लगने वाले सामान ले जाने पर कम से कम 10 हजार रुपए जुर्माना और तीन साल तक की सजा हो सकती है। दीपावली और छठ पूजा के दौरान पैसेंजर्स की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे ने सख्ती बढ़ा दी है। आरपीएफ की टीम ट्रेनों और रेलवे परिसरों में पैसेंजर्स की सुरक्षा के लिए पटाखे, आतिशबाजी और अन्य ज्वलनशील पदार्थ पर निगरानी कर रही है। रेलवे ने पैसेंजर्स से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान ऐसी कोई भी वस्तु अपने साथ न रखें, जिससे आग लगने अथवा किसी दुर्घटना की आशंका हो।

पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नियुक्ति की मंजूरी

संचार जगत



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार प्रदेश के पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नियुक्तियां प्रदान करने के लिए पूरी गंभीरता, प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। सरकार ने दिसम्बर 2023 से अब तक 187 पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी नियुक्तियां दी हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में राज्य स्तरीय समिति की बैठक में समिति ने 235 सामान्य एवं पैरा पदक विजेता खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में आउट ऑफ टर्न नियुक्तियां प्रदान करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी। बैठक में समिति द्वारा पदक विजेता सामान्य एवं पैरा खिलाड़ियों के 286 नए आवेदनों पर चर्चा की गई, जिनमें से 235 सामान्य एवं पैरा खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में नियुक्ति के प्रस्ताव स्वीकृत किये गए। मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास है कि पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के अनुरूप सम्मान एवं रोजगार के अवसर समयबद्ध रूप से उपलब्ध हों, जिससे प्रदेश के युवा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हों।



संपादकीय

हिमाचल की गलियों में मुकदमा

सियासत के समक्ष मिशन रिपीट का कारवां अब अपने कदमों के निशान चुन रहा है, तो बेजुबान पत्थर बता रहे हैं कि कहां पहुंचे और कहां पहुंचना है। प्रतीक्षारत माहौल अब कांग्रेस की गारंटियों से गलबहियां कर रहा है, तो विपक्ष के सामने भी लेखा-जोखा यही होगा। अपना परिवार, सुखी परिवार के जरिए सियासत कितने परिवार जोड़ती है, यह मुकदमा हिमाचल की गलियों में चलेगा और गारंटी की गवाही में सारा परिदृश्य हूं या हां करेगा। पात्र महिलाएं और पात्र परिवारों के बीच पंद्रह सौ रुपए का प्रति माह आबंटन तथा महीने में तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली का प्रबंध करती सुक्खू सरकार ने अंततः घोषित रूप से अपने लक्ष्य को साधने का समय तय कर लिया है। बेशक सत्ता के पास ये दो बड़े हथियार हैं, जो विपक्ष के सामने सियासी घाटे का खतरा पैदा कर रहे हैं। अंततः अगर भाजपा पुनः डबल इंजिन सरकार के फायदे गिनवा कर इस रिक्तता को भरना चाहती है, तो केंद्र सरकार के हुलिए से छूटे 'व्यवहार' पर चर्चा होगी। इधर राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) की शून्यता में गंवाए दस हजार करोड़ का जिक्र वर्तमान सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर चोट करता है, तो राज्य सरकार आपदा के मरहम पर प्रधानमंत्री के घोषित पंद्रह सौ करोड़ का सफेद झूठ भी सामने रख रही है। सवाल यह कि क्या हिमाचल का मानस चुनाव की दहलीज पर प्रदेश के आर्थिक सरोकारों पर विचार करेगा। अब तक हुए चुनावों में मतदाता ने विकास के आंकड़ों को पस्त किया है, तो क्या अब आर्थिक विडंबनाओं के माथे पर चुनाव चिन्हित होगा। एक बड़ी बहस या मीडिया की निरंतर बहस अगर बढ़ते ऋण पर होती भी है, तो क्या जनता गुण-दोष के आधार पर दोनों प्रमुख दलों का हिसाब किताब देख कर इंसाफ करेगी। आखिर इस बार के चुनाव को कांग्रेस और भाजपा किस आधार पर देख रही हैं। क्या कोई बदलाव आएगा या वही छींटाकशी के वातावरण में एक दूसरे की चुगली करते राजनीतिक दल हमारी-तुम्हारी गली में फेरी लगाते ही मिलेंगे। जनता चुनाव को अपने नजदीक देखती है, तो उसके लिए विभागीय कसरतें और सरकारी फाइलों की सक्रियता में सुशासन ही कसौटी है। हो सकता है इस बार नलके में पानी लगातार आ रहा हो या बिजली की वोल्टेज गुजारे लायक रही हो। बस का रूट रोजाना गांव की सीढ़ी पर हाजिरी लगाता हो या सडक़ पूरा साल तंदरुस्त व सही हाल रही हो। दफ्तरों में बाबू-अफसर, स्कूल में टीचर और अस्पताल में डाक्टर आ रहा हो। एक चुनाव को परखने के कई महीने हो सकते हैं, लेकिन प्रचार को करीने से सजाना पड़ता है। इसलिए पात्र महिलाओं को प्रति माह पंद्रह सौ मिलने शुरू हुए, तो यह मतदान की मुद्रा में एक अभिनव प्रयोग है। मुफ्त की तीन सौ यूनिट बिजली मिल जाए, तो उधर किसान निधि की किस्त आ जाए, तो केंद्र बनाम राज्य के मापतोल में सौगातें भ्रम फैलाएंगी।

खुद को कमजोर करने वाली राजनीति

खरगे जैसे वरिष्ठ नेता की भाषा से पार्टी के राजनीतिक सोच पर सवाल उठते हैं। दुख की बात यह रही कि कांग्रेस के किसी नेता ने इस बयान पर खेद नहीं जताया, बल्कि उसके बचाव में तर्क दिए। संसदीय लोकतंत्र में नेता अपने राजनीतिक विरोधियों की आलोचना करते हैं, उन पर हमला बोलते हैं और अभियान चलाते हैं, लेकिन शब्दों की मर्यादा नहीं लांघते और न ही उनके परिवार तक जाते हैं।

हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के एक कार्यक्रम में कहा कि अपनी नकारात्मक राजनीति के चलते कांग्रेस अगले 30 वर्षों तक केंद्र की सत्ता में वापस नहीं आ सकती। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस की आलोचना की, लेकिन उनका कोई शब्द अमर्यादित या अपमानजनक नहीं था। दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पटना के एक कार्यक्रम में अपने एक कार्यकर्ता के टोकने पर गुस्से में कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगा...।' प्रसंग यह था कि जब उन्होंने कहा कि मोदी जेल जाएंगे तो उक्त कार्यकर्ता ने टिप्पणी की कि मोदी तब तक कहीं नहीं जाने वाले, जब तक उनके खिलाफ बगावत नहीं होगी। खरगे जैसे वरिष्ठ नेता की भाषा से पार्टी के राजनीतिक सोच पर सवाल उठते हैं। दुख की बात यह रही कि कांग्रेस के किसी नेता ने इस बयान पर खेद नहीं जताया, बल्कि उसके बचाव में तर्क दिए। संसदीय लोकतंत्र में नेता अपने राजनीतिक विरोधियों की आलोचना करते हैं, उन पर हमला बोलते हैं और अभियान चलाते हैं, लेकिन शब्दों की मर्यादा नहीं लांघते और न ही उनके परिवार तक जाते हैं। किसी भी दल को चुनाव जीतने के लिए संगठन मजबूत करने और जनता का विश्वास जीतने की जरूरत होती है। इसके लिए जनहित के मुद्दे उठाने, सकारात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत करने और नेतृत्व की ऐसी छवि बनाने की आवश्यकता होती है, जिससे मतदाताओं को लगे कि उसके नेतृत्व में देश अधिक सुरक्षित रहेगा। कांग्रेस की रणनीति इससे अलग दिखाई देती है। चुनावों में हार-जीत होती रहती है। जनसंघ की स्थापना से लेकर सत्ता तक पहुंचने के लिए भाजपा को अपनी विचारधारा और कार्यशैली के आधार

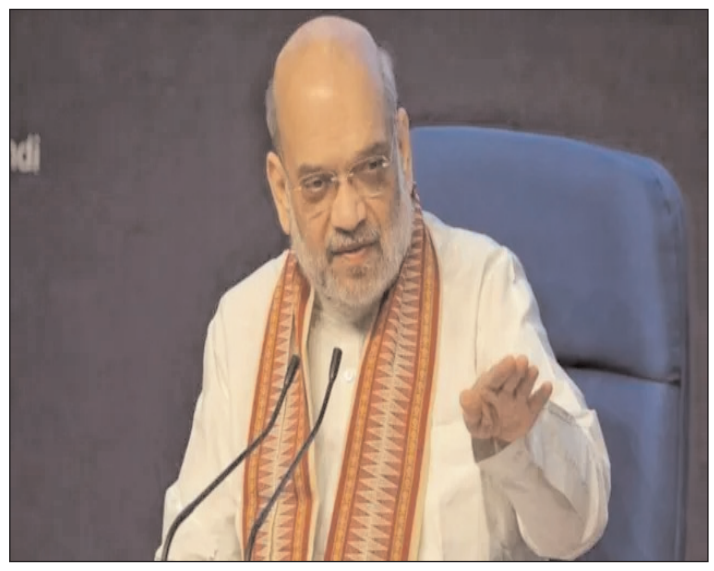

पर लंबा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन चुनावी हार के बाद उसने सत्तापक्ष के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने या चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा पर हमला करने का अभियान नहीं चलाया, लेकिन राहुल और उनके साथी जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह पहले कभी नहीं देखी गई। कांग्रेस की समस्या यह है कि उसने 2014 से अब तक अपनी चुनावी हार का ईमानदारी से विश्लेषण नहीं किया। विश्लेषण से संगठन, नीति, नेतृत्व, रणनीति और वक्तव्यों की कमजोरियां सामने आतीं और उन्हें दूर करने की कोशिश हो सकती थी। कांग्रेस के अनुभवी और विवेकशील नेता राहुल और उनके करीबियों द्वारा किनारे कर दिए गए हैं या वे स्वयं हाशिए पर पहुंच गए हैं। आज राहुल के रणनीतिकार और सलाहकार वामपंथी, समाजवादी, एनजीओ और इस्लामवादी विचारधारा से जुड़े देश-विदेश के लोग हैं। हाल में दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के घर हुई माक संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लाए गए जन महाभियोग में राहुल के साथ योगेंद्र यादव, नेहा बोरा भी दिखाई दिए। जनता से संवाद पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन माक पार्लियामेंट जैसे आयोजन तो वामपंथी तथा एनजीओ की कार्यशैली का हिस्सा रहे हैं। एक समय दुनिया भर में कम्युनिस्ट नेता सरकारों और संपन्न वर्ग के खिलाफ लोगों में असंतोष पैदा कर हिंसा और उथल-पुथल के जरिये सत्ता हासिल करने की कोशिश करते थे। राहुल गांधी संसदीय राजनीति करते हुए वैसी ही स्थिति पैदा करने की कोशिश करते दिख रहे हैं। वे कभी 'चौकीदार चोर है' का नारा लगवाते हैं तो कभी ईवीएम, एसआइआर और वोट चोरी का मुद्दा भाषा की मर्यादा की अनदेखी कर उठाते हैं। वे और उनके सहयोगी इन मुद्दों को जिस रूप में पेश करते हैं, जमीनी स्तर पर वैसी स्थिति दिखाई नहीं देती। वैचारिक स्पष्टता के अभाव में चुनावी हार से नाराज होकर वे और उनके साथी मर्यादा की सीमा लांघते हैं। लगता है कांग्रेस में मोदी, भाजपा या आरएसएस के विरुद्ध जो जितनी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करेगा, उसे उतना ही अधिक महत्व मिलेगा। स्वयं राहुल ने 2019 के चुनाव से पहले कहा था कि कुछ दिनों में मोदी बाहर निकलेगा तो लोग डंडों से उसकी पिटाई करेंगे। अब वे कह रहे हैं कि मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार को जेल जाना होगा। ऐसे बयानों की लंबी शृंखला है। खरगे प्रधानमंत्री को रावण, जहरीला नाग आदि कह चुके हैं। पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री के पिता का नाम लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। निःसंदेह भाजपा से भी गलतियां होती हैं। उम्मीदवारों के चयन, मुद्दों और जातीय समीकरणों के मामले में उससे गलतियां हुई हैं। लोकसभा चुनाव में कई राज्यों में उसे झटका लगा, लेकिन उसने हार का विश्लेषण किया, सुधार किए और कई विधानसभा चुनावों में सफलता हासिल की। दलों में अपनी गलतियों के परिणाम भुगतने के बाद अपनी कमजोरियों का विश्लेषण कर बदलाव करने का साहस होना चाहिए। हार का दोष विरोधियों या संवैधानिक संस्थाओं पर मढ़ने से किसी पार्टी की स्थिति नहीं बदल सकती, लेकिन राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस मध्यमार्ग छोड़कर अति वामपंथ की ओर बढ़ चुकी है। हालांकि भाजपा के मजबूत रहने तक ऐसी स्थिति पैदा करना संभव नहीं होगा, जिसमें राहुल प्रधानमंत्री के विरुद्ध चोर, देशद्रोही जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल कर और चुनाव आयोग एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ माहौल बनाकर वामपंथी और एनजीओ शैली में लोगों के बीच असंतोष एवं विद्रोह पैदा कर सकें।

मध्यावधि चुनावों के बाद ट्रंप की राह कठिन हुई

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को जोरदार झटका लगा। उनकी प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों- प्रतिनिधि सभा एवं सीनेट में बहुमत के पड़ाव पर पहुंच गई है। चुनाव परिणाम ट्रंप प्रशासन को पारंपरिक आईना दिखाने से अधिक कड़ी फटकार लगाने जैसे हैं। इन नतीजों की गूंज कहीं गहरे संदेश समाहित किए हुए है। ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीतियों से बढ़ी महंगाई से जीवन-यापन की लागत में बढ़ोतरी से आम अमेरिकी त्रस्त हो गए थे। ईरान के साथ युद्ध भी घरेलू बेचैनी को बढ़ाने वाला साबित हुआ। मध्यावधि चुनाव में लगे झटके के बाद ट्रंप को अपने शेष कार्यकाल के लिए नए सिरे से रणनीति तैयार करनी होगी, क्योंकि अब उनकी राजनीतिक चुनौतियों का बढ़ना तय है। अमेरिकी संसद पर डेमोक्रेट का नियंत्रण ट्रंप के घरेलू एजेंडे की डोर को कमजोर करेगा। इससे कराधान, सरकारी खर्च की अनुमति पर तकरार से लेकर विधायी कदमों पर टकराव बढ़ने के आसार बनेंगे। हालांकि ट्रंप के पास टैरिफ, स्वास्थ्य सेवा और आव्रजन संबंधी अपनी नीतियों के मामले में कार्यकारी अधिकारों एवं वीटो की शक्ति होगी, लेकिन संस्थागत द्वंद्व बढ़ने की स्थिति में राष्ट्रपति को किसी ठोस विधायी व्यवस्था के बजाय अस्थायी वित्तीय प्रविधानों से ही



काम चलाना पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन के लिए संसदीय कसौटियां भी सख्त होंगी, जिसमें कार्यकारी शक्तियों के दुरुपयोग, नैतिक सरोकारों और विदेशी व्यावसायिक हितों पर बारीक नजर रखी जाएगी, जबकि सीनेट में डेमोक्रेटिक बहुमत न्यायिक और कैबिनेट स्तर की नियुक्तियों की राह और जटिल बनाएगा। अपने शेष कार्यकाल में ट्रंप को अपनी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के बजाय अपने तमाम फैसलों के बचाव में ही अपनी अधिकांश राजनीतिक पूंजी झोंकनी होगी। इतिहास साक्षी है कि जब भी अमेरिकी राष्ट्रपतियों को घरेलू मोर्चे पर विधायी विरोध के चलते कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा तो उन्होंने विदेश नीति में अधिक रणनीतिक गुंजाइश तलाशने की कोशिश की है, क्योंकि इस मोर्चे पर उनकी कार्यकारी शक्तियां कहीं व्यापक होती हैं। ट्रंप भी इसी राह पर बढ़ सकते हैं, लेकिन ईरान से संघर्ष और पश्चिम एशिया की अस्थिरता उनकी विदेश नीति को भी मुकाबले का एक नया अखाड़ा बना सकती है। संसद पर डेमोक्रेटिक नियंत्रण के चलते सैन्य अभियानों, उनके वित्तीय बोझ और सामरिक उद्देश्यों की कहीं अधिक सख्त निगरानी के आसार बढ़ेंगे। इसके अलावा मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच टैरिफ से जुड़ी शक्तियों के एकतरफा इस्तेमाल पर भी ट्रंप प्रशासन को कड़ी चुनौती मिलेगी। अमेरिका के सहयोगियों से लेकर प्रतिद्वंद्वियों तक के लिए मध्यावधि चुनावों के परिणाम मायने रखते हैं। बदले राजनीतिक परिदृश्य में अमेरिकी नीति-निर्माण में अस्थिरता गहराने का अंदेशा है। कार्यकारी शक्ति के रूप में ट्रंप प्रशासन के पास विदेश मामलों पर निर्णय के विशेषाधिकार तो कायम रहेंगे, लेकिन संसदीय गतिरोध से उनका प्रभाव अवश्य प्रभावित होगा। अमेरिका के विरोधी देश इसका लाभ उठाने की गुंजाइश तलाशेंगे। खास तौर से वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए यह स्थिति और संवेदनशील होगी, जहां ईरान संघर्ष, प्रतिबंधों की नीति और सैन्य भागीदारी पर संसद की कड़ी निगरानी का मिलाजुला असर कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ा सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव वैश्विक मुद्रास्फीति पर पड़ेगा। यूरोपीय सहयोगियों के साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों के लिए डेमोक्रेट्स की बढ़ी शक्ति संवाद का एक वैकल्पिक माध्यम और अमेरिकी सुरक्षा में एकतरफा कटौती के सापेक्ष कुछ हद तक भरोसा प्रदान कर सकती है, फिर भी अपने सुरक्षा दायित्वों का बोझ सहयोगी देशों को मुख्य रूप से स्वयं ही उठाना पड़ेगा। भारत के लिए भी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजे गहरे अर्थ लिए हुए हैं। भले ही दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी एक बड़ी हद तक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग पर टिकी हो, लेकिन वाशिंगटन में बदले राजनीतिक समीकरण विशेष नीतिगत क्षेत्रों में नए अवसर बना सकते हैं। इसी के साथ जहां डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत व्यापार वार्ताओं की राह को और जटिल बना सकती है, वहीं घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं से निपटने के उद्देश्य से ट्रंप ठोस आर्थिक परिणाम दिखाने के लिए व्यापार समझौते को तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं।

मदद का हाथः चक्रवात अर्नब और मुरासु

आंध्र प्रदेश तट के दो स्थानों पर जब चक्रवात अर्नब और मुरासु एक के बाद एक टकराये, तो प्राधिकारियों की लंबी तैयारियों और त्वरित प्रतिक्रिया की बदौलत जान-माल का नुकसान न्यूनतम रहा। आंध्र प्रदेश में, 28 अक्टूबर को जमीन पर पहुंचे चक्रवात अर्नब से लगभग 4,526 करोड़ रुपये की क्षति का अनुमान लगाया गया है। फिर 3 नवंबर को तट पार करने वाले चक्रवात मुरासु से हुई क्षति के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, लगभग 52,500 हेक्टेयर में खड़ी फसलें प्रभावित हुईं। राज्य ने दो चक्रवातों से सात मौतों की जानकारी दी। पहले चक्रवात से ओडिशा के दक्षिणी हिस्सों में तकरीबन 90,000 हेक्टेयर खड़ी फसल को नुकसान हुआ। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के शुरुआती 'ऑन-द-स्पॉट' आकलन के बाद, केंद्र सरकार द्वारा जल्द ही प्रभावित राज्यों को सहायता निधि की पहली किस्त जारी किये जाने की उम्मीद है। कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु के कर्मी भी आंध्र प्रदेश की मदद के लिए गये हुए हैं। 'रियल टाइम गवर्नेंस सोसाइटी' (आरटीजीएस) और अन्य तकनीकों का इस्तेमाल करने



से जान-माल के नुकसान में काफी कमी आयी है। अक्टूबर 2014 में आये चक्रवात हुदहुद के दौरान, आंध्र प्रदेश में 63 मौतें हुई थीं और तकरीबन 22,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। चूंकि भारत में प्राकृतिक आपदाओं का बार-बार आना बढ़ रहा है, उच्च शिक्षण संस्थानों, खासकर जो विज्ञान व प्रौद्योगिकी से जुड़े हैं, और केंद्र व राज्य सरकारों की एजेंसियों के बीच ज्यादा सहयोग की जरूरत है। प्राधिकारियों को फसलों को बचाने/ फसलों के नुकसान के लिए एक कारगर मुआवजा ढांचा विकसित करना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा एक दशक पहले शुरू की गयी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को व्यापक सुरक्षा कवच नहीं दे पायी है और वे प्रकृति की अनिश्चितताओं के चलते नुकसान सहते रहते हैं। केंद्र सरकार को इस योजना में सुधार करना चाहिए ताकि सभी किसान अपनी फसलों को इस योजना के दायरे में लाने के लिए प्रोत्साहित हों। जबकि, राज्य सरकारों को इस बीमा योजना के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए और बीमा कवर के तहत मिलने वाले लाभों में अतिरिक्त लाभ जोड़कर किसानों की मदद करनी चाहिए। केंद्र को स्थायी पुनरुद्धार परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता पर भी ध्यान देना चाहिए। केंद्र सरकार का शुरुआती रुख यह था कि राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष तुरंत प्रतिक्रिया और राहत कार्य के लिए हैं, न कि पुनरुद्धार और पुनर्निर्माण के लिए। लेकिन 15वें वित्त आयोग के जोर देने के बाद, दो साल पहले सरकार ने इन दोनों कोषों के घटक के रूप में पुनरुद्धार और पुनर्निर्माण को भी शामिल किया। हालांकि जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचता है, तो केंद्र को प्रभावित राज्यों पर बोझ कम करने के लिए अतिरिक्त सहायता देनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र में उनकी टीम को 'सहकारी संघवाद' की भावना के अनुरूप काम करना चाहिए।

राजस्थान की नदियों में औद्योगिक कचरा और प्रशासनिक विफलता

राजस्थान जैसे शुष्क और जल-संकट से जूझ रहे राज्य में नदियाँ केवल भौगोलिक जलस्रोत मात्र नहीं हैं, बल्कि वे उस कठिन भूभाग पर बसने वाली लाखों की आबादी की जीवन रेखा हैं। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बालोतरा और पाली जैसे शहर आज वस्त्र रंगाई (टेक्सटाइल डाइंग) और इस्पात उद्योगों के बड़े केंद्र के रूप में अपनी एक विशेष पहचान बना चुके हैं। इन उद्योगों ने क्षेत्र की आर्थिकी को गति दी है और रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं, लेकिन इसके साथ ही इसने एक ऐसी भयावह पर्यावरणीय और मानवीय कीमत को जन्म दिया है, जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जोजरी, लूणी और बांडी जैसी नदियाँ, जो इस क्षेत्र के शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र का मुख्य आधार थीं, आज औद्योगिक और घरेलू कचरे के बोझ तले दम तोड़ रही हैं। कारखानों से निकलने वाला भारी रासायनिक अपशिष्ट बिना किसी प्रभावी उपचार के सीधे इन मौसमी नदियों और उपजाऊ मिट्टी में बहाया जा रहा है, जिससे पूरा भूभाग एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चपेट में आ गया है। यह समस्या कोई रातों-रात पैदा नहीं हुई है, बल्कि इसकी जड़ें दशकों गहरी हैं। साल 2011 में राजस्थान उच्च न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका के माध्यम से इस गंभीर मुद्दे को पहली बार प्रशासनिक मशीनरी और न्यायपालिका के संज्ञान में लाया गया था। हालांकि, तब से लेकर आज तक हालात में सुधार होने के बजाय स्थिति और बदतर ही हुई है। प्रशासनिक और सरकारी तंत्र की सुस्ती इस हद तक बढ़ चुकी है कि इसे अब एक व्यवस्थित और संस्थागत लापरवाही की संज्ञा दी जाने लगी है। राज्य सरकार और संबंधित विभागों की यह अनदेखी न केवल विधिक नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह सीधे तौर पर उन लगभग 20 लाख नागरिकों के जीवन के अधिकार पर एक बड़ा आघात है, जो इन नदियों के आसपास निवास करते हैं और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन पर निर्भर हैं। जब न्यायालयों द्वारा इस विषय में कड़े निर्देश दिए जाते हैं, तब कागजों पर तो योजनाएं तैयार हो जाती हैं, लेकिन धरातल पर उनका क्रियान्वयन नगण्य रहता है। वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े इस बात की पोल खोलने के लिए काफी हैं कि प्रशासनिक मशीनरी इस दिशा में कितनी गैर-जिम्मेदार रही है। आंकड़ों के अनुसार, इन तीनों प्रमुख शहरी केंद्रों में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कुल सीवेज का केवल आधा हिस्सा ही सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तक पहुंच पाता है और संसाधित हो पाता है। इसके अलावा, कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) की क्षमता का भी बहुत कम उपयोग हो रहा है। यह स्थिति इस बात का स्पष्ट संकेत देती है कि औद्योगिक इकाइयाँ अपने कचरे के वैज्ञानिक शोधन की कानूनी बाध्यता को खुलेआम दरकिनार कर रही हैं। कारखानों और शोधन संयंत्रों के बीच का आपसी संयोजन या तो पूरी तरह से जर्जर है या फिर कुछ खास समय पर जानबूझकर बंद रखा जाता है, ताकि अनुपालन के खर्चे से बचा जा सके। नदियों के इस प्रदूषण का सबसे विनाशकारी और अमानवीय पहलू आम जनता के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ज़हरीले रसायनों और भारी धातुओं से दूषित हो चुका भूजल इन इलाकों में पीने योग्य नहीं बचा है। इस पानी के इस्तेमाल से स्थानीय निवासियों में गंभीर बीमारियाँ पैर पसार रही हैं। कैंसर, गंभीर त्वचा रोग, श्वास संबंधी संक्रमण और पेट के लाइलाज विकार आज इन जिलों के गाँवों और कस्बों में आम बात हो गए हैं। जिन नदियों का पानी कभी लोगों की प्यास बुझाता था और खेतों को सींचता था, आज वही पानी ज़हर बनकर फसलों को नष्ट कर रहा है। कृषि योग्य उपजाऊ भूमि बंजर होती जा रही है, जिससे किसानों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इसके साथ ही, इस दूषित पानी को पीने से बेजुबान मवेशियों और वन्यजीवों की मौत की खबरें भी लगातार सामने आती रहती हैं। विडंबना यह है कि इन तमाम त्रासदियों के बावजूद नदी के तल से रेत और बालू का अवैध खनन बेरोकटोक जारी है।

लघु कथा

पहचान

राजा ने हुक्म दिया कि उसके राज में सब लोग अपनी आँखें बंद रखेंगे ताकि उन्हें शांति मिलती रहे। लोगों ने ऐसा ही किया क्योंकि राजा की आज्ञा मानना जनता के लिए अनिवार्य है। जनता आँखें बंद किए-किए सारा काम करती थी और आश्चर्य की बात यह कि काम पहले की तुलना में बहुत अधिक और अच्छा हो रहा था। फिर हुक्म निकला कि लोग अपने-अपने कानों में पिघला हुआ सीसा डलवा लें क्योंकि सुनना जीवित रहने के लिए बिलकुल ज़रूरी नहीं है। लोगों ने ऐसा ही किया और उत्पादन आश्चर्यजनक तरीक़े से बढ़ गया। फिर हुक्म ये निकला कि लोग अपने-अपने होंठ सिलवा लें, क्योंकि बोलना उत्पादन में सदा से बाधक रहा है। लोगों ने काफ़ी सस्ती दरों पर होंठ सिलवा लिए और फिर उन्हें पता लगा कि अब वे खा भी नहीं सकते हैं।

लेकिन खाना भी काम करने के लिए बहुत आवश्यक नहीं माना गया। फिर उन्हें कई तरह की चीज़ें कटवाने और जुड़वाने के हुक्म मिलते रहे और वे वैसा ही करवाते रहे। राजा रातदिन प्रगति करता रहा। फिर एक दिन ख़ैराती, रामू और छिद्दू ने सोचा कि लाओ आँखें खोलकर तो देखें। अब तक अपना राज स्वर्ग हो गया होगा। उन तीनों ने आँखें खोलीं तो उन सबको अपने सामने राजा दिखाई दिया। वे एक दूसरे को न देख सके।

मेट्रो विस्तार ने बदली शहरी भारत की तस्वीर

संचार जगत



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत के मेट्रो नेटवर्क में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, जिसने शहरी परिवहन व्यवस्था को नई दिशा दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में देश में केवल 5 शहरों में 248 किलोमीटर लंबा मेट्रो नेटवर्क था, जबकि आज यह बढ़कर लगभग एक हजार 200 किलोमीटर तक पहुंच गया है और 26 शहरों को जोड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि 2014 से पहले की गति से ही मेट्रो विस्तार जारी रहता, तो पुणे जैसे शहरों को मेट्रो सेवा के लिए शायद वर्षों नहीं बल्कि दशकों तक इंतजार करना पड़ता। उन्होंने कहा कि यह स्थिति स्वीकार्य नहीं थी और इसी सोच के साथ शहरी परिवहन ढांचे के विस्तार को गति दी गई। मोदी ने कहा कि आज एक करोड़ से अधिक लोग प्रतिदिन मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं और इसका असर केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इससे लोगों का ट्रैफिक में समय बच रहा है, परिवार के साथ समय बढ़ रहा है, उत्पादकता में सुधार हो रहा है और बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

अमित शाह ने राहुल गांधी को दी चुनौती

हिम्मत है तो संसद में आकर करें चर्चा

संचार जगत



करनाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के करनाल में भारतीय जनता पार्टी की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा के समापन पर कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि लोकतंत्र में संसद चर्चा का सर्वोपरि स्थान है। राहुल गांधी जी आप संसद चलने नहीं देते हो, मुद्दों पर चर्चा नहीं करते हो। संसद में शोर-शराबा, बहिष्कार करने को आपने कांग्रेस का कल्चर बना दिया है। उन्होंने कहा कि संसद चलने नहीं देनी है और रोड पर भीड़ इकट्ठा करके अराजकता फैलाने वाले की तरह अराजकता फैलानी है। अमित शाह ने कहा कि देश की जनता को तय करना है कि देश की कानून बनाने की प्रक्रिया, देश की समस्याओं पर चर्चा, देश की जनता की भलाई के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं पर चर्चा रोड पर नहीं बल्कि संसद में होगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अगर सड़क पर चर्चा करने का इतना ही शौक है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। आप पीएम मोदी को कहते हो स्थान बताओ, वो तो बाद में आएंगे। आप हमें हरियाणा के किसी चौराहे का स्थान बताओ, मेरा युवा मोर्चा का अध्यक्ष आकर आपसे चर्चा करेगा। अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा जानते हैं कि वह हारने वाले हैं, इसलिए वह अपनी हार के लिए चुनाव आयोग और एसआईआर की प्रक्रिया को दोष देते हैं। अमित शाह ने राहुल गांधी को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि आप पीएम नरेंद्र मोदी को चर्चा के लिए चुनौती देते हो? अगर चर्चा करनी है, तो बस पीएम मोदी को पत्र लिख दो। हम एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार हैं। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी की पार्टी घुसपैठियों के नाम दर्ज कराने के लिए एसआईआर का विरोध कर रही है। भाजपा का संकल्प है, हम घुसपैठियों को ढूंढेंगे, मतदाता सूची से निकालेंगे। इसके बाद चुन-चुनकर देश से बाहर निकालने का काम करेंगे। कांग्रेस वालों की रैली वोट बचाने के लिए नहीं, घुसपैठिया बचाने की रैली है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बौखलाए हुए हैं, इसलिए हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ते हैं। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली का अंतिम दिन था। 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक देशभर के सभी मुख्यालयों पर इस रैली का आयोजन किया गया।

रामलीला मैदान में लोकतंत्र नहीं, परिवार बचाने के लिए जुटा था इंडिया ब्लॉक : योगी आदित्यनाथ

संचार जगत



गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा को संबोधित करते हुए इंडिया ब्लॉक पर परिवारवाद का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक नवंबर को यह सभी लोग रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाने के लिए नहीं, बल्कि परिवार को बचाने के लिए एकजुट हुए, जनता इनकी सच्चाई को अच्छे से जानती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास देखा है, जो विपक्ष को पसंद नहीं आ रहा है। 2014 से पहले भारत में अविश्वास, अराजकता, नक्सलवाद, आतंकवाद और भ्रष्टाचार का बोलबाला था, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब सुरक्षित है और आतंकवाद तथा नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमें लोकतंत्र पर उपदेश दे रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने 1975 में देश में आपातकाल लगाया था। जिस कांग्रेस ने कभी आपातकाल लगाने की साजिश रची थी, उसका आज हमें लोकतंत्र पर उपदेश देना बेहद हास्यास्पद है। भारत का हर नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरूक है और वह जानता है कि लोकतंत्र के रास्ते में आने वाली रुकावटों को कैसे मजबूती से तोड़ना है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल एक सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

एसएसआर का पूरा शेड्यूल जारी

फाइनल वोटर लिस्ट 21 जनवरी 2027 को जारी होगी

संचार जगत



नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट के स्पेशल समरी रिवीजन का पूरा टाइमलाइन घोषित कर दिया। इस प्रक्रिया का मकसद छूटे हुए और पहली बार वोटर बनने योग्य युवाओं को वोटर लिस्ट में जोड़ना है। आयोग के अनुसार, इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट रोल 30 नवंबर तक तैयार कर लिए जाएंगे जबकि फाइनल रोल प्रकाशित करने की अंतिम तारीख 21 जनवरी 2027 तय की गई है। बीच में करीब दो महीने का समय अपील, आपत्ति और उनके निपटारे के लिए रखा गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि एसएसआर उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किया जाएगा, जहां एसआईआर अभी-अभी पूरा हुआ है या एसआईआर का तीसरा चरण अभी चल रहा है। इससे साफ है कि यह एक साथ पूरे देश में नहीं बल्कि चरणबद्ध तरीके से होगा। आयोग ने कहा कि आंध्र प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, दिल्ली, त्रिपुरा और तेलंगाना जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसएसआर का शेड्यूल बाद में घोषित किया जाएगा। वहीं, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख जैसे पहाड़ी इलाकों में ठंड के मौसम को देखते हुए एसएसआर बाद में शुरू किया जाएगा। दावे और आपत्तियां दाखिल करने और उनके समाधान के लिए करीब दो महीने का समय दिया गया है।

ईरान संघर्ष और अमेरिकी सैन्य अभियानों पर पेंटागन की जवाबदेही तय करने की मांग

संचार जगत



वाशिंगटन। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सांसद एडम स्मिथ ने ईरान संघर्ष, लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य अभियानों और निजी कंपनियों को दिए जा रहे रक्षा ठेकों को लेकर पेंटागन की कड़ी निगरानी की मांग की है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष सदस्य स्मिथ ने 120वीं कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी की निगरानी संबंधी प्राथमिकताएं सामने रखीं। उन्होंने कहा कि अगली कांग्रेस में रक्षा विभाग और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता होगी। स्मिथ ने पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारियों की सार्वजनिक गवाही बढ़ाने और समिति में निगरानी एवं जांच के लिए समर्पित उपसमिति को फिर से बहाल करने का प्रस्ताव रखा है। रक्षा बजट पर स्मिथ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक के रक्षा बजट की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने घरेलू कार्यक्रमों में भारी कटौती किए बिना रक्षा संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की वकालत की। स्मिथ की प्रस्तावित प्राथमिकताओं से आने वाली कांग्रेस में ईरान संघर्ष और अमेरिकी रक्षा खर्च को लेकर प्रशासन तथा विपक्ष के बीच बहस तेज होने के संकेत मिलते हैं।

हरदीप पुरी राज्यसभा के लिए निर्वाचित

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा के लिए हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्राप्त किया। राज्य से तत्कालीन केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरूगन राज्यसभा सदस्य थे, लेकिन उन्होंने मंत्री पद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उसी के चलते राज्यसभा के लिए उपचुनाव हुआ। इसके लिए भाजपा ने हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाया, जहां केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पार्टी की ओर से नामांकन भरा, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने एक निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन किया, मगर उस उम्मीदवार का नामांकन निरस्त हो गया।

ईरान संघर्ष से रिपब्लिकन पार्टी को चुनाव में नुकसान पहुंचा : ट्रंप

संचार जगत



वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकारा है कि ईरान संघर्ष का मिडटर्म चुनावों पर असर पड़ा और उनकी उनकी रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने इसकी एक वजह पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी को बताया, हालांकि साथ ही स्पष्ट किया कि अगर उन्हें दोबारा ऐसा फैसला लेने का मौका मिले तो वह फिर सैन्य कार्रवाई का विकल्प चुनेंगे। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ संघर्ष से अल्पावधि में पेट्रोल की कीमतें बढ़ गईं, जिसका असर चुनाव पर पड़ा। हालांकि, उन्होंने सैन्य अभियान का बचाव करते हुए कहा कि अगर मुझे दोबारा ऐसा करना पड़े तो मैं फिर करूंगा। ट्रंप ने दलील दी कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ट्रंप ने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि संघर्ष का चुनाव पर असर पड़ेगा। वह उपराष्ट्रपति की सोच से परिचित थे और उनकी पोस्ट से सहमत भी थे। ट्रंप ने कहा कि वह डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ काम कर सकते हैं, बशर्ते वे ऐसा कोई कदम न उठाएं जिसे वह देश के लिए नुकसानदेह मानते हों।

पश्चिमी विक्षोभ से देशभर के मौसम में बदलाव की संभावना

संचार जगत



नई दिल्ली। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है, जिसके प्रभाव से अगले सप्ताह दिल्ली-एनसीआर के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। यह मौसम प्रणाली कई उत्तरी राज्यों के मौसम को प्रभावित कर सकती है, हालांकि मैदानी इलाकों पर इसका असर सीमित रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। हालांकि, मैदानी क्षेत्रों में 8 नवंबर तक बारिश की संभावना नहीं है और अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बने रहने की उम्मीद है। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। कई शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात मुरासु आंध्र प्रदेश तट को पार करने के बाद कमजोर पड़ गया है। हालांकि, इसके कमजोर होने के बावजूद दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों, विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में 8 नवंबर तक बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

कपड़ा मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन में 50 घायल

ढाका। बांग्लादेश में न्यूनतम मासिक वेतन बढ़ाकर 30 हजार टका करने की मांग को लेकर कपड़ा उद्योग के मजदूरों का प्रदर्शन हिंसक हो गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों सहित करीब 50 लोग घायल हो गए, जबकि सावार और आशुलिया में 200 से अधिक फैक्ट्रियों को छुट्टी घोषित करनी पड़ी। देश के कई औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। सावार, आशुलिया, गाजीपुर और नारायणगंज में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर जाम लगाया और पुलिस के साथ उनकी झड़पें हुईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। हिंसा की शुरुआत सावार के हेमायतपुर स्थित पद्मा मोड़ इलाके में हुई। इसके बाद यह उलाइल तक फैल गई, जहां अल-मुस्लिम ग्रुप की फैक्ट्री के सामने मजदूरों और पुलिस के बीच टकराव हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर ईंट-पत्थर फेंके।

6 दिसंबर को लखनऊ में बसपा की महारैली, कार्यकर्ताओं को देंगी जीत का मंत्र

संचार जगत



लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी की बैठक में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में 6 दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ में होने वाले श्रद्धा-सुमन समारोह की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में बसपा यूपी स्टेट यूनिट के पदाधिकारी, मंडल सहित सभी स्तर के पदाधिकारी और सभी 75 जिलों के जिला अध्यक्ष शामिल हुए। मायावती ने बूथ लेवल तक की जमीनी तैयारियों, अच्छे से अच्छे उम्मीदवारों के चयन और सर्वसमाज में खासकर गरीब व कमजोर तबकों को उनके वोट की शक्ति के प्रति जागरूक करने के लिए दिए गए कामों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान का कारवां वोट हमारा, राज भी हमारा के सर्वजन-हितैषी संकल्प के साथ सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करके अपनी मंजिल की ओर तेजी से बढ़ें। उन्होंने ईवीएम को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि आज देश की अधिकतर जनता बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही है। बैठक में कांग्रेस, भाजपा और सपा को एक ही थैली के चट्टे-बट्टे बताते हुए मायावती ने कहा कि ये पार्टियां बाबा साहेब के संविधान की बात तो करती हैं, लेकिन उस पर अमल करने में विफल हैं। उन्होंने कहा कि यूपी की त्रस्त जनता को बसपा के कानून द्वारा कानून का राज और सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के तहत सुशासन की वापसी की उत्सुकता है, जिसे सही करके दिखाना है।

एस. जयशंकर ने गुयाना के राष्ट्रपति से की मुलाकात

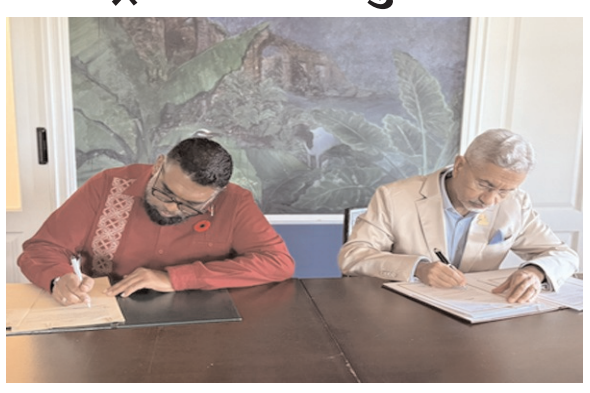

500 मिलियन डॉलर क्रेडिट लाइन विस्तार का ऐलान

संचार जगत

सेंट जॉन्स। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग के दौरान गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों देशों ने दक्षिण अमेरिकी देश के सार्वजनिक और रक्षा बुनियादी ढांचे के लिए 500 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट को बढ़ाने की घोषणा की। एस. जयशंकर ने कहा कि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की। हमने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट बढ़ाने की घोषणा की है। इरफान अली के अलावा जयशंकर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम से अलग-अलग मिले।

जंतर-मंतर प्रदर्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश

संचार जगत



नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर कार्रवाई को लेकर जांच कर रही हाईपावर कमेटी से कहा कि वो एक महीने में रिपोर्ट दाखिल करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट के लिए अनिश्चित वक्त तक इंतजार नहीं किया जा सकता है। कमेटी की 31 अक्टूबर की रिपोर्ट सिर्फ अब तक किए गए काम की जानकारी देने वाली रिपोर्ट है। इसमें अभी तक आरोपों पर कोई निष्कर्ष नहीं दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कमेटी अब तक मिले सभी दस्तावेजों और सबूतों की जांच करे और संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करे। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कमेटी खुद को सिर्फ पीड़ितों की शिकायत तक सीमित न रखें। पीड़ितों की ओर से वकीलों और दूसरे लोगों से पेश की गई शिकायतों, वीडियो और दूसरे सबूतों पर भी विचार करें। मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के हिंसा को लेकर एक दूसरे पर लगाए आरोप-प्रत्यारोप की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय हाईपॉवर कमेटी का गठन किया है। कोर्ट ने कमेटी से सबसे पहले पैलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाकर हिंसा और परेशान करने के आरोप, दोनों पक्षों द्वारा की गई अत्यधिक हिंसा और संपत्ति के नुकसान की जांच करने को कहा था।

यूजीसी के जातिगत भेदभाव विरोधी नियमों की होगी दोबारा समीक्षा

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिया भरोसा

संचार जगत



नई दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से बनाए गए नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई। इस दौरान केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि वह विवादित यूजीसी नियमों की दोबारा समीक्षा करेगी और इसके लिए एक समिति भी गठित की जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया कि नियमों की समीक्षा के दौरान सभी वर्गों के छात्रों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी वर्ग का छात्र खुद को असंतुष्ट, असुरक्षित या डरा हुआ महसूस न करे। इस पर चीफ जस्टिस ने भी कहा कि हर छात्र के हितों की रक्षा करना जरूरी है। नियम बनाते समय देश की युवा पीढ़ी के हितों और भावनाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि यूजीसी नए नियमों पर पुनर्विचार कर रहा है और इसके लिए एक समिति गठित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी की याचिका सुनने से किया इनकार

संचार जगत



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी समेत पार्टी के 10 बागी विधायकों की दल-बदल विरोधी कानून के तहत सदस्यता रद्द करने की मांग की गई थी। अदालत ने याचिकाकर्ता को इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर उचित कानूनी विकल्प कलकत्ता हाईकोर्ट जाना है। पीठ ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट में उचित याचिका दाखिल करने की छूट दी। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से भी अनुरोध किया कि मामले को जल्द सुनवाई के लिए खंडपीठ के समक्ष रखा जाए। सुनवाई के दौरान शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि 8 जुलाई को विधायकों की सदस्यता रद्द करने संबंधी याचिकाएं दाखिल की गई थीं, लेकिन करीब पांच महीने बीत जाने के बावजूद उन पर कोई फैसला नहीं हुआ है। वकील ने दलील दी कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट के पहले के निर्देशों के दायरे में आता है। उन्होंने मांग की कि मामले की जल्द सुनवाई हाईकोर्ट की खंडपीठ में हो, ताकि अदालत के भीतर अपील के कई और दौर से बचा जा सके।

त्योहारी सीजन में बाजारों के लिए नया ट्रैफिक प्लान लागू

रेलवे स्टेशन पर डीआरएम ने परखीं व्यवस्थाएं

संचार जगत



जोधपुर। दीपावली और छठ पूजा के मद्देनजर शहर में प्रशासनिक मुस्तैदी और सुरक्षा प्रबंध तेज कर दिए गए हैं। एक तरफ जहां त्योहारी खरीदारी को देखते हुए यातायात पुलिस ने बाजारों में जाम से निपटने के लिए 8 नवंबर तक विशेष ट्रैफिक रूट लागू किया है, वहीं रेलवे ने स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ के प्रबंधन और सुरक्षा जांच के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। दीपावली और भाईदूज के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर यातायात पुलिस ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। प्रमुख बाजार क्षेत्रों में तीन और चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। रोडवेज बसों के मार्ग में भी बदलाव किया गया है। सरदारपुरा में खरीदारी के लिए आने वाले आमजन से गांधी मैदान स्थित निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही वाहन खड़े करने की अपील की गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने स्टेशन का गहन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और प्रतीक्षालयों का निरीक्षण कर ट्रेनों के समय पर संचालन, अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती, पर्याप्त पेयजल और खानपान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बेकरी में भीषण आग से लाखों का माल जलकर खाक

संचार जगत



भरतपुर। शहर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र में नगर निगम कार्यालय के समीप स्थित सेवा बेकरी में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते बेकरी में रखा भारी मात्रा में तैयार माल, कच्चा सामान और उपकरण जलकर राख हो गए। इस हादसे में बेकरी संचालक को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। रात को गश्त कर रही मथुरा गेट थाना पुलिस की टीम ने जब शटर के अंदर से घना धुआं निकलते देखा, तब तुरंत कंट्रोल रूम और दमकल विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका। आग लगने के प्राथमिक कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

अदाणी पोर्ट्स का अंतरराष्ट्रीय विस्तार

यूरोपीय कंपनी इवोस का किया अधिग्रहण



संचार जगत

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी स्वतंत्र लिक्विड स्टोरेज ऑपरेटर इवोस बी.वी का ऑल-कैश डील में 2.56 अरब यूरो की एंटरप्राइस वैल्यू पर अधिग्रहण किया। इस समझौते के तहत, एपीएसईजेड, इग्नियो इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स से इवोस में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इस सौदे में इवोस का इक्विटी मूल्य 1.18 अरब यूरो आंका गया है। इस आधार पर अधिग्रहण मल्टीपल सीवाई 25 के ईवी ईबीआईटीडीए का 11.7 गुना है। इस सौदे के लिए फंड कर्ज के जरिए जुटाया जाएगा। साथ ही, इसके लिए रेगुलेटरी मंजूरियों और वर्क्स काउंसिल कंसल्टेशन की प्रक्रिया पूरी होनी बाकी है। कंपनी ने बयान में कहा, 'भारत के सबसे बड़े और दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों में से एक, एपीएसईजेड ने नीदरलैंड स्थित 'इवोस बी.वी.' में 'इग्नियो इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स' की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है।

एक पर्ची ने बदली सरपंच की किस्मत

संचार जगत



बाड़मेर। पंचायत चुनाव के दौरान एक ऐसा मुकाबला सामने आया, जिसमें चार बार की मतगणना भी जीत-हार का फैसला नहीं कर सकी। बाड़मेर ग्रामीण पंचायत समिति की गालाबेरी ग्राम पंचायत में सरपंच पद की प्रत्याशी महदू देवी और पूनम कुमारी को 614-614 वोट मिले। दोनों के बीच बराबरी होने पर अधिकारियों ने चार बार रिकाउंटिंग कराई, लेकिन परिणाम नहीं बदला। इसके बाद लॉटरी से फैसला किया गया। पर्ची पूनम कुमारी के नाम निकली और वह गांव की नई सरपंच बन गईं। इस चुनाव में कुल 1253 मतदाताओं ने वोट डाले थे। 22 वोट निरस्त हुए, जबकि 3 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया। जिले में दूसरे चरण के दौरान 189 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए मतदान हुआ था। इनमें गालाबेरी का यह मुकाबला सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। वहीं, महदू देवी को बराबर वोट मिलने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

दिल्ली दरबार में हाजिरी नहीं लगानी पड़ी महंगी

यूथ-कांग्रेस के 43 पदाधिकारी सस्पेंड

संचार जगत



जयपुर। दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई रैली में नहीं जाने पर यूथ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हुई है। यूथ कांग्रेस ने दिल्ली रैली में नहीं जाने पर 43 पदाधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें 12 जिलाध्यक्ष और 31 प्रदेश पदाधिकारी शामिल हैं। दिल्ली रैली में यूथ कांग्रेस ने सभी पदाधिकारियों को भीड़ लेकर जाने का टारगेट दिया था। राजस्थान यूथ कांग्रेस के 12 जिलाध्यक्ष और 31 प्रदेश पदाधिकारी खुद ही रैली में नहीं गए। रैली में इन नेताओं की गैर हाजिरी को कांग्रेस आलाकमान ने गंभीरता से लेते हुए नाराजगी जताई। इसके बाद उन्हें पदों से निलंबित किया है। रैली में भीड़ लेकर जाने वालों के बारे में पूरी रिपोर्ट तैयार की गई थी। उस रिपोर्ट के आधार पर एक्शन लिया गया है। दिल्ली रैली में नहीं जाने पर 12 यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलंबित किए गए। इसके अलावा 31 प्रदेश पदाधिकारियों को भी निलंबित किया गया है, जिनमें 20 राज्य सचिव शामिल है।

बीजेपी ने लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ रैली निकाली

संचार जगत

अजमेर। भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ के तहत जनजागरण पदयात्रा का आयोजन किया। पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मूल्यों के सम्मान और राष्ट्रविरोधी और अराजक ताकतों के खिलाफ जनचेतना का शंखनाद किया। पदयात्रा सूचना केंद्र से रवाना हुई जो इंडिया मोटर्स चौराहा, कचहरी रोड, गांधी भवन, चूड़ी बाजार और नया बाजार होते हुए राजकीय संग्रहालय पहुंच कर सभा में तब्दील हो गई। इसमें वक्ताओं ने कहा कि भाजपा संविधान के संरक्षण और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की मजबूती के लिए प्रतिबद्ध है और जनता के सहयोग से किसी भी विभाजनकारी एजेंडे को सफल नहीं होने दिया जाएगा। मार्ग में विभिन्न व्यापारिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने पदयात्रा का स्वागत किया।

युवाओं ने राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से की मुलाकात



संचार जगत

दौसा। चंडीगढ़ में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय युवा सम्मेलन के समापन अवसर पर राजस्थान सहित पांच राज्यों के प्रतिनिधि दल ने राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने युवाओं से संवाद करते हुए राष्ट्रप्रेम, आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने देश के विकास और नवाचारों को लेकर युवाओं से महत्वपूर्ण सुझाव भी लिए। सम्मेलन में राजस्थान से 13 युवाओं के प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया था। सात दिवसीय सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने युवाओं को नागरिक शिष्टाचार, केंद्रीय राजव्यवस्था और सरकारी कार्यप्रणाली से अवगत कराया। कार्यशालाओं के दौरान युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, नवाचार अपनाने और स्वरोजगार के अवसरों से जुड़कर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया गया। दौसा के पंकज कुमार शर्मा के साथ बांसवाड़ा से साहिल जोशी व जितेंद्र राठौड़ तथा उदयपुर से हेमलता प्रजापत, रौनिका, प्रियंका और जिनेंद्र आदि युवाओं ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

कनिष्ठ अभियंता का दलाल रिश्वत लेते गिरफ्तार



भीलवाड़ा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को भीलवाड़ा में बड़ी कार्रवाई करते हुए समग्र शिक्षा कार्यालय में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता के कथित दलाल को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी श्रेणीक चौधरी को गर्ग पेट्रोल पंप के पास रेलवे फाटक पर अपनी स्विफ्ट कार में परिवादी से रिश्वत राशि लेते हुए पकड़ा गया। मामले में कनिष्ठ अभियंता अनिल भट्ट (संविदा कर्मी) की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी भीलवाड़ा प्रथम को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी फर्म द्वारा रायपुर पंचायत ब्लॉक में करवाए गए सिविल कार्यों के प्रथम रनिंग बिल, जिसकी राशि 8 लाख 82 हजार 647 रुपये है, को पास करने की एवज में समग्र शिक्षा कार्यालय में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता अनिल भट्ट अपने दलाल श्रेणीक चौधरी के माध्यम से 50 हजार रुपये रिश्वत मांग रहे हैं। इसके अलावा 10 हजार रुपये टेस्टिंग के नाम पर अलग से मांगे जा रहे थे। शिकायत का सत्यापन करवाने पर रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। सत्यापन के दौरान कनिष्ठ अभियंता अनिल भट्ट द्वारा 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि अपने दलाल श्रेणीक चौधरी को देने के लिए कहा जाना सामने आया।

बारूद के गोदाम में धमाके से दो युवकों की मौत

संचार जगत



नागौर। नागौर जिले में बारूद के गोदाम में हुए भीषण विस्फोट से इलाके में हड़कंप मच गया। हादसे में दो चचेरे भाइयों की जान चली गई। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास के करीब 100 फीट के दायरे में मौजूद मकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा। विस्फोट के कारण दोनों मृतकों के शवों के टुकड़े दूर-दूर तक बिखर गए। यह हादसा नागौर के बड़ली इलाके में सुबह करीब 9:40 बजे हुआ। गोदाम में पोटेशियम नाइट्रेट मिलाकर बारूद तैयार किया जाता था। जानकारी के मुताबिक, गोदाम का मालिक अमीन बताया जा रहा है। विस्फोट से गोदाम के आसपास के मकानों और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल, धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट में गूंजा एक राष्ट्र, एक चुनाव का मुद्दा



संचार जगत

श्रीगंगानगर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत श्रीगंगानगर की ओर से श्री आत्म वल्लभ जैन कन्या पीजी कॉलेज में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर अपने विचार रखे और लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनावी प्रक्रिया तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। प्रतियोगिता में अलीशा ने प्रथम, हर्षिता ने द्वितीय और रजत गावड़िया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ये तीनों विजेता अब राज्य स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम में श्रीगंगानगर का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय में चुनावी हिंसा

संचार जगत



तिरुपति। आंध्र प्रदेश में जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र और मंडल परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों के दौरान मतदान के समय तनाव बढ़ गया। वाईएसआर कडप्पा और तिरुपति जिलों के कुछ हिस्सों से पेट्रोल बम हमलों और झड़पों की खबरें आईं। तेलुगु देशम पार्टी और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने इन घटनाओं के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया। वाईएसआर कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला निर्वाचन क्षेत्र के एर्रामपल्ली गांव में एक मतदान केंद्र के पास पेट्रोल बम फेंके गए, जिससे मतदाताओं और स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। एर्रामपल्ली गांव को वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी का गढ़ माना जाता है। यह घटना तब हुई जब पुलिस ने बढ़ते तनाव के बीच वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं के एक समूह को मतदान केंद्र में प्रवेश करने से रोका। कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने मतदान केंद्र के पास पेट्रोल बम फेंके। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए गए। तिरुपति जिले के पेनागलुरु मंडल के नल्लापुरेड्डीपल्ले गांव में भी इसी तरह की घटना सामने आई, जहां वाईएसआरसीपी नेताओं ने आरोप लगाया कि टीडीपी के नेतृत्व वाले एनडीए के समर्थकों ने उनके मतदान एजेंटों पर पेट्रोल बम से हमला किया। वाईएसआर कडप्पा जिले के नंदुलुरु में भी तनाव की खबर है, जहां पुलिस ने बाहरी लोगों को इलाके में ला रहे वाहनों को रोका।

सीएसटी ने दबोचा 5 हजार का ईनामी

संचार जगत

जोधपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाते हुए झुंझुनूं से 5 हजार रुपये के इनामी बदमाश को अवैध पिस्टल के साथ धर दबोचा। पुलिस कमिश्नर अंशुमान भोमिया के निर्देश पर सीएसटी टीम प्रभारी मेहराज तंवर के नेतृत्व में अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। टीम ने मुखबिर की सूचना पर सांगरिया निवासी ललित पटेल को दस्तयाब किया। ललित पटेल झुंझुनूं के गोठड़ा थाने में वांछित था और उस पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पूछताछ के बाद ललित के साथी महेंद्र बर्रा के कब्जे से एक अवैध पिस्टल बरामद की गई। दोनों आरोपियों को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए बासनी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

पत्नी के ट्रांसफर का झांसा देकर एक लाख रुपए हड़पे



संचार जगत

अजमेर। अजमेर में सरकारी नौकरी में तबादला करवाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी का अजमेर से ब्यावर ट्रांसफर करवाने के लिए आरोपी को एक लाख रुपये दे दिए। आरोप है कि आरोपी ने राजनीतिक रसूख का हवाला देकर तबादला करवाने का भरोसा दिलाया और फर्जी व्हाट्सएप चैट और स्क्रीनशॉट भेजकर पीड़ित को गुमराह करता रहा। पुलिस के अनुसार,लोहाखान निवासी अभिषेक केन ने रिपोर्ट दी कि उनकी पत्नी राजकीय चिकित्सालय में एलएनएम तकनीशियन के पद पर कार्यरत हैं। आरोपी ओमप्रकाश जाट ने खुद को राजनेताओं के संपर्क में बताकर उनका तबादला ब्यावर करवाने का आश्वासन दिया। इसके बदले अलग-अलग किस्तों में एक लाख रुपये ले लिए।

लोकतंत्र के महापर्व में अनूठी मिसाल

संचार जगत



बयाना। पंचायत चुनाव के दौरान बयाना ग्रामीण क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर लोकतंत्र के प्रति निष्ठा और जागरूकता की प्रेरक तस्वीर सामने आई। यहां 100 वर्षीय बुजुर्ग महिला कस्तूरी देवी ने शारीरिक अशक्तता को पीछे छोड़ते हुए व्हीलचेयर के सहारे मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शतायु उम्र में भी उनके इस उत्साह और जज्बे को देखकर केंद्र पर मौजूद मतदान कर्मियों और ग्रामीणों ने उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कस्तूरी देवी का यह कदम युवाओं और आम मतदाताओं के लिए एक बड़ा संदेश है। 100 वर्ष की आयु में भी लोकतंत्र के प्रति उनका यह समर्पण साबित करता है कि जागरूक नागरिक के लिए मताधिकार का प्रयोग कितना महत्वपूर्ण है। उनकी इस भागीदारी ने लोकतंत्र के इस महापर्व में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

बंदूक की गोलियों से बुलेट ट्रेन तक, हिमंता सरमा ने असम के नए सफर का किया जिक्र

संचार जगत



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि जो राज्य कभी गोलीबारी और हिंसा से दहल जाता था, वह अब बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ने का सपना देख रहा है। यह विकास, कनेक्टिविटी और नए अवसरों के एक नए युग का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असम में एक बड़ा बदलाव आया है। राज्य अपने अशांत अतीत को पीछे छोड़कर, प्रगति और विकास से भरे भविष्य की ओर बढ़ रहा है। सीएम सरमा ने कहा कि जो असम कभी बंदूक की गोलियों की आवाज से कांप उठता था, वह आज विकास की बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ने का सपना देख रहा है। राज्य में बेहतर होती कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए सीएम ने उस दौर को याद किया जब असम से देश की राजधानी दिल्ली तक का सफर तय करने में 30 से 36 घंटे लग जाते थे। वह आज बेहतर कनेक्टिविटी, विकास और नई संभावनाओं की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ परिवहन में आया बदलाव नहीं है बल्कि यह असम की पहचान और भविष्य का कायापलट है। राज्य के हिंसक अतीत और विकास की उसकी आकांक्षाओं के बीच अंतर बताते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने इस सफर को बंदूक की गोलियों से बुलेट ट्रेन तक का सफर बताया।

न्यायाधीश ने किया जिला जेल का निरीक्षण



टोंक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश दिनेश कुमार जलुथरिया ने जिला कारागृह का निरीक्षण किया। जेल अधीक्षक जयवर्धन सिंह ने बताया कि कारागृह में 441 बंदी दर्ज हैं, जिनमें से निरीक्षण के दौरान 440 उपस्थित मिले और एक बंदी को पेशी पर भेजा गया था। न्यायाधीश ने बैरकों, चिकित्सालय, स्नानघर और भोजनशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता और सफाई व्यवस्था को संतोषजनक पाया। साथ ही जेल में संचालित विधिक सेवा क्लिनिक एवं हेल्प डेस्क का भी अवलोकन किया। इस दौरान न्यायाधीश जलुथरिया ने बंदियों से संवाद कर मुकदमों की स्थिति जानी और स्पष्ट किया कि अधिवक्ता नियुक्त करने में असमर्थ बंदियों को प्राधिकरण की ओर से निःशुल्क सरकारी वकील उपलब्ध कराया जाता है।

शुरुआती बढ़त लेने के बाद जापान को दूसरे हाफ में पछाड़ा

जापान को 4-1 से रौंदकर भारत ने छठी बार जीती एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

नई दिल्ली/संचार जगत

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के फाइनल में जापान को 4-1 से हराकर छठी बार खिताब अपने नाम कर लिया। गुरुवार को ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 0-1 से पिछडऩे के बाद शानदार वापसी की। इस जीत के साथ भारत ने लगातार तीसरी बार खिताब जीतने का रिकॉर्ड बनाया। टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही।

जापान ने तीसरे मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो के गोल से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। 20वें मिनट में जापान को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को नाकाम कर दिया। हाफ टाइम तक जापान 1-0 से आगे था। दूसरे हाफ में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया। 33वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर लगाए गए शॉट को जापानी गोलकीपर किशो कुरोदा ने रोक लिया। 39वें मिनट में जापान



लगातार तीसरी बार खिताब पर कब्जा

भी पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सका। आखिरकार 42वें मिनट में आदित्य अर्जुन लालागे के पास पर शिलानंद लाकड़ा ने रिबाउंड से गोल कर भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी।

आखिरी क्वार्टर में भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही। 48वें मिनट में हार्दिक सिंह के पास पर दिलप्रीत सिंह ने रिवर्स हिट से गोल कर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई। 53वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार ड्रैग फ्लिक से तीसरा गोल किया। इसके अगले ही मिनट विवेक सागर प्रसाद ने सर्कल के ऊपर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 4-1 कर दिया। मैच समाप्त होने से 12 सेकंड पहले जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह गोल नहीं कर सका।

हार्दिक का 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच

भारतीय उपकप्तान हार्दिक सिंह ने अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। उन्होंने मिडफील्ड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कई मौके बनाए। वहीं, जरमनप्रीत सिंह ने रक्षापंक्ति में मजबूती बनाए रखी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टूर्नामेंट में 10 गोल के साथ सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। भारत ने इससे पहले लीग चरण में भी जापान को 4-1 से हराया था। टीम ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 8-1 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई थी। भारत इससे पहले 2011, 2016, 2018, 2023 और 2024 में भी यह खिताब जीत चुका था। इस जीत के साथ टीम ने टूर्नामेंट में अपना छठा खिताब दर्ज कराया।

एक युग का अंत... टीम कोच से टकराव के बाद रोनाल्डो ने की संन्यास की घोषणा

सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपने फैसले की दी जानकारी

नई दिल्ली/संचार जगत

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की है। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने गुरुवार, 5 नवंबर को सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर अपने फैसले की जानकारी दी। वे नवंबर के अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद पुर्तगाल की नंबर-7 जर्सी टीम को लौटा देंगे। इसके साथ ही उनके 23 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो जाएगा।

रोनाल्डो ने 2003 में 18 साल की उम्र में पुर्तगाल के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने देश के लिए 234 मैच खेले और रिकॉर्ड 146 गोल किए। उनके नाम 46 असिस्ट भी दर्ज हैं। वे पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने और सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। रोनाल्डो ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रीय टीम के साथ उनका सफर अब समाप्त हो रहा है और वे गर्व के साथ विदा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि 23 साल तक पुर्तगाल की



नंबर-7 जर्सी पहनना उनके लिए गर्व और बड़ी जिम्मेदारी की बात रही। उन्होंने इस जर्सी को कभी केवल अपना नहीं माना, बल्कि इसे पूरे पुर्तगाल और वहां के लोगों की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि अब यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने का समय आ गया है। रोनाल्डो का संन्यास ऐसे समय आया है, जब हाल ही में पुर्तगाल की टीम में मुख्य कोच जॉर्ज जीसस के साथ उनके मतभेद सामने आए थे। सितंबर में नॉर्वे के खिलाफ ओस्लो में खेले गए नेशंस लीग मुकाबले में पुर्तगाल ने 2-1 से जीत दर्ज की थी, लेकिन रोनाल्डो को पूरे मैच में मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला। रोनाल्डो का आरोप था कि कोच ने उन्हें बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी मैदान पर उतारने का भरोसा दिया था। इसी आधार पर उन्होंने अभ्यास भी शुरू किया, लेकिन बाद में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला।

6 विश्व कप खेलने वाले पहले खिलाड़ी

रोनाल्डो ने 2006, 2010, 2014, 2018, 2022 और 2026 के फीफा विश्व कप में पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व किया। वे छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बने। इन टूर्नामेंटों में उन्होंने 27 मैच खेले और 11 गोल किए। विश्व कप में पुर्तगाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 में रहा था, जब टीम सेमीफाइनल तक पहुंचकर चौथे स्थान पर रही थी। उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 2016 का यूरो कप खिताब शामिल है। उनकी कप्तानी में पुर्तगाल ने 2019 और 2025 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता।

खबर संक्षेप



प्रणवी चीन में संयुक्त 68वें स्थान पर

शेनझेन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स यहां अरामको चीन चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में पार 72 के स्कोर से संयुक्त 68वें स्थान पर हैं। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी ने दो बर्डी और इतनी ही बोगी से पार का स्कोर बनाया। पहले दौर के बाद तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं जिनमें इंग्लैंड की एनाबेल फ्युलर और चार्लोट हीथ के अलावा चीन की लिकि झेंग शामिल हैं। इन तीनों ने आठ अंडर 65 का स्कोर बनाया।

त्रिपुरा ने सौराष्ट्र को हराकर सत्र की पहली जीत दर्ज की



अगरतला। त्रिपुरा ने रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए बृहस्पतिवार को यहां पूर्व चैंपियन सौराष्ट्र को 133 रन से करारी शिकस्त देकर मौजूदा सत्र की पहली जीत दर्ज की। ऑफ स्पिनर संदीप सरकार और तेज गेंदबाज अभिजीत सरकार ने सात विकेट साझा कर त्रिपुरा की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई। त्रिपुरा ने 342 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही सौराष्ट्र को 208 रन पर आउट कर अपने क्रिकेट इतिहास की यादगार जीत दर्ज की।

बंगाल को 10 विकेट से हराकर महाराष्ट्र ग्रुप सी में शीर्ष पर



कोलकाता। महाराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच में बृहस्पतिवार को यहां ईडन गार्डन्स में बंगाल को 10 विकेट से हराकर बोनस अंक सहित सात अंक हासिल किए। महाराष्ट्र ने सचिन धास (नाबाद 61) और कप्तान पृथ्वी साव (नाबाद 53) के अर्धशतक से 19.4 ओवर में ही बिना विकेट खोए 114 रन बनाकर 112 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस जीत से महाराष्ट्र के कुल 19 अंक हो गए हैं और वह बंगाल को पछाड़कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है।

वेलिंगटन के मैदान पर देखने मिलेगी बल्लेबाजों और गेंदबाजों की टक्कर

दूसरा वनडे कल, सीरीज में बढ़त बनाने भारत और बराबरी करने न्यूजीलैंड बेकरार

नई दिल्ली/संचार जगत

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार 7 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। पहले मैच में भारत ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत 5 विकेट से जीत दर्ज की थी। ऐसे में कीवी टीम की नजरें इस मुकाबले में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने पर होंगी। वहीं, भारतीय टीम अपनी बढ़त को और मजबूत करना चाहेगी। वेलिंगटन में दोनों टीमों के आंकड़े जान लेते हैं।

वेलिंगटन में ऐसा रहा है दोनों टीमों का प्रदर्शन

भारत ने वेलिंगटन में अपना पहला वनडे साल 2003 में खेला था। उन्होंने यहां अब तक 4 वनडे खेले हैं। इस दौरान उसे 2 मैच में जीत मिली है। एक मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच में कोई नतीजा नहीं निकला है। वहीं, न्यूजीलैंड ने इस मैदान पर 30 वनडे खेले हैं। इस दौरान उसे 17 मैच में जीत मिली है। 11 मैच में उसे हार मिली है। 2 मैच में नतीजा नहीं निकला है।



ऐसी है वेलिंगटन की पिच रिपोर्ट

वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। यहां ड्रॉप-इन पिच का इस्तेमाल होता है, जिस पर बल्लेबाजों को रन बनाने के अच्छे मौके मिलते हैं। हालांकि, नई गेंद से तेज गेंदबाजों को स्विंग और उछाल मिल सकता है। इस मैदान पर मौसम और बारिश का भी अहम प्रभाव रहता है। ऐसे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे वनडे में गेंद और बल्ले के बीच अच्छी टक्कर देखने को मिल सकती है।

इन बल्लेबाजों ने किया है अच्छा प्रदर्शन

इस मैदान पर न्यूजीलैंड के लिए केन विलियमसन ने सबसे ज्यादा 9 पारियों में 67.57 की औसत से 473 रन बनाए हैं। वहीं, ब्रेंडन मैकुलम के बल्ले से यहां 20 मैचों की 17 पारियों में 427 रन निकले हैं। न्यूजीलैंड के सक्रिय बल्लेबाजों में किसी खिलाड़ी का यहां अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है। भारत के लिए यहां अंबाती रायडू ने सबसे ज्यादा 2 पारियों में 110 रन बनाए हैं। विराट कोहली के बल्ले एक पारी में 82 रन निकले हैं।

इन गेंदबाजों का रहा है अच्छा प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के लिए टिम साउथी ने यहां सबसे ज्यादा 9 मैचों की 9 पारियों में 17.92 की औसत से 25 विकेट लिए हैं। वहीं, डेनियल विटोरी ने यहां 21 पारियों में 22 विकेट अपने नाम किए हैं। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने इस मैदान पर 5 पारियों में 5 विकेट चटकाए हैं। युजवेंद्र चहल, जहीर खान और मोहम्मद शमी ने इस मैदान पर वनडे क्रिकेट में भारत के लिए संयुक्त रूप से 5-5 विकेट लिए हैं।

तन्वी युवा ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला



एजेंसी ▶▶| डकार (सेनेगल)

भारत की उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने युवा ओलंपिक खेलों की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं। ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 शिकस्त दी। 54 मिनट तक च इस रोमांचक मुकाबले में उ के साथ ही उन्होंने स्वर्ण प के लिए होने वाले खित मुकाबले में जगह पक्की ली। तन्वी ने ऐसा करने व पहली भारतीय महिला खिल बनने का गौरव हासिल कि अब उनके पास स्वर्ण प जीतकर अपने याद अभियान को ऐतिहासिक ब का सुनहरा मौका है।

फाइनल में चीन की खिलाड़ी से मुकाबला

फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजू विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था।

पहले ही मुकाबले में हारे ज्वेरेव जोकोविच भी पेरिस मास्टर्स से बाहर

नई दिल्ली/संचार जगत

पुरुष टेनिस में विश्व नंबर एक की कुर्सी संभालने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का शीर्ष रैंकिंग पर सफर हार के साथ शुरू हुआ। ज्वेरेव को बुधवार को पेरिस मास्टर्स के दूसरे दौर में इटली के लोरेंजो मुसेटी के हाथों 6-7, 2-6 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। ज्वेरेव के बाद रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए उन्हें ऑस्ट्रेलिया के क्वालीफायर खिलाड़ी रिंकी हिजिकाता ने 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।



जोकोविच अच्छी शुरुआत के बावजूद हारे

दसवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने हिजिकाता के खिलाफ मुकाबले में अच्छी शुरुआत की और पहले सेट में दबदबा बनाए रखा। हालांकि, दूसरे सेट में 3-3 की बराबरी के बाद वह लगातार तीन गेम गंवा बैठे। इसके बाद सातवें गेम में उनकी सर्विस टूट गई। हिजिकाता ने एक बार फिर जोकोविच की सर्विस तोड़ी और उनके बैकहैंड शॉट के कोर्ट से बाहर जाने के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। चौबीस ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुके जोकोविच को इस महीने के आखिर में होने वाले एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने की उम्मीद कायम रखने के लिए पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचना जरूरी था।

अल्कराज सहित अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

सात बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को 7-6, 6-3 से हराया। लगातार छठी जीत दर्ज करने वाले 23 वर्षीय अल्कराज के सामने अगले दौर में माटेओ बेरेटिनी की चुनौती होगी। सातवीं वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो को फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस ने 6-3, 1-6, 7-6 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव को इग्नासियो ब्यूसे ने 6-4, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

अक्टूबर के लिए दीप्ति शर्मा हुई नामांकित

नई दिल्ली/संचार जगत

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अक्टूबर महीने के लिए भारत की दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए नामांकित किया है। उनके अलावा बांग्लादेश की सोभना मोस्तरी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड भी नामित हुई हैं। दूसरी

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ



तरफ पुरुष वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन, पाकिस्तान के अराफत मिन्हास और वेस्टइंडीज के शाई होप भी इस पुरस्कार की दौड़ में हैं। अक्टूबर में दीप्ति ने वडोदरा में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शतक (106*) लगाया था। यह उनके वनडे करियर का दूसरा शतक साबित हुआ था।

यूईएफए चैंपियंस लीग में लीवरपूल को फेनरबाशे ने हराया

रीयल मैड्रिड ने आखिरी क्षणों में दर्ज की जीत

नई दिल्ली/संचार जगत

फेडेरिको वाल्वरडे के निर्णायक गोल की बदौलत रीयल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग में एक बार फिर आखिरी क्षणों में बाजी पलटते हुए बुधवार को एईके एथेंस को 3-2 से हराया। लीवरपूल को रोमांचक मुकाबले में फेनरबाशे के हाथों 2-3 से चौकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी ने भी दो बार बढ़त गंवाने के बाद आरबी लाइपजिग को इसी अंतर से 3-2 से हराया। तो वहीं कोमो ने लेंस को 9-1 से रौंदकर बड़ी जीत दर्ज की। पिछले सत्र की उपविजेता आर्सेनल ने स्लाविया प्राग को 2-1 से शिकस्त दी।



मैड्रिड को दो बार पिछड़ना पड़ा

मैड्रिड को ऑल्विन एरिना में एईके एथेंस के खिलाफ दो बार पिछड़ना पड़ा, लेकिन वाल्वरडे ने 92वें मिनट में लंबी दूरी से शानदार गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। मैड्रिड ने पिछले महीने रोमा के खिलाफ भी आखिरी समय में 4-3 से जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में टीम ने अंतिम 10 मिनट में तीन गोल किए थे एईके की ओर से अबूबाकरी कोइटा ने पहले हाफ में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। जूड बेलिंघम ने बैकहील से गोल कर मैड्रिड को बराबरी दिला दी। मैच के 75वें मिनट में स्तावरोस पिलियोस ने मेजबान टीम को 2-1 से आगे कर दिया, लेकिन तीन मिनट बाद ही किलियन एमबापे ने स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद एमबापे का एक शॉट क्रॉसबार से टकराया, जबकि वाल्वरडे ने इंजरी टाइम में निर्णायक गोल कर दिया।

अन्य मैचों का ऐसा रहा जीत-हार का आं

एर्लिंग हालांड ने आरबी लाइपजिग के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी को 3-2 से जीत दिलाई। स्कोर 2- बराबर होने के बाद हालैंड ने मैच के 78वें मिनट टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। प्रीमियर लीग चैं आर्सेनल ने स्लाविया प्राग को 2-1 से हराया। नॉनी मादुके और विक्टर ग्योकेरेस ने पहले हाफ में गो कर आर्सेनल को बढ़त दिलाई। मेजबान टीम ने 9 मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन आर्सेनल जीत हासिल कर ली।

टासोस की हैट्रिक ने लेंस को हरा

टासोस डुविकास की हैट्रिक की मदद से सेस्क फाबेगास की कोमो टीम ने लेंस को 9-1 से करारी शिकस्त दी। नेपोली को पोर्टो के खिलाफ 1-4 से क हार झेलनी पड़ी। लीग चरण के चार मुकाबलों में की यह तीसरी हार है। रविवार को उसे युवेंटस ने से हराया था। युनान के युवा खिलाड़ी कोन्स्टेंटिनो कारेत्सास के पहले गोल की मदद से 1997 की चैं बोरुसिया डॉर्टमुंड ने रियल बेटिस को 2-1 से हरा

यूरोप के आसमान में मचा हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियों की उड़ी नींद

यूरोप में एक साथ सोलह विमानों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

पिछले एक हफ्ते में ऐसी यह दूसरी बड़ी घटना, धमकियों के बाद विमानों की कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली/संचार जगत



यूरोप का आसमान इस वक्त जंग का मैदान बनता दिख रहा है। यहां एक साथ 16 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियों से पूरे यूरोप में हड़कंप मच गया है। कई विमानों को बीच रास्ते में ही डायवर्ट करना पड़ा। कुछ की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।



सिर्फ यही नहीं कई उड़ानों की सिक्योरिटी के लिए आसमान में फाइटर जेट्स तक भेजने पड़े। पोलैंड से लेकर चेक गणराज्य, बुल्गारिया, फ्रांस और इटली तक ऐसा खौफ फैला की एविएशन इंडस्ट्री से सरकारें तक कांप गईं। गुरुवार का दिन यूरोपीय एविएशन इंडस्ट्री के लिए किसी बुरे सपने जैसा रहा. एक के बाद एक कई एयरलाइंस को बम से उड़ाने की फर्जी या असली धमकियां मिलने लगीं। डर इतना ज्यादा था कि एयरपोर्ट्स पर तुरंत इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए। पोलैंड की नेशनल एयरलाइन लॉट के साथ दो बड़ी घटनाएं हुईं। वारसा से ब्रुसेल्स जा रही एक फ्लाइट को आनन-फानन में सुरक्षित उतारा गया, हालांकि जांच के बाद उसमें कुछ नहीं मिलावहीं, पेरिस जाने वाली एक दूसरी फ्लाइट को टेकऑफ करने से ठीक पहले रोक दिया गया।

फाइटर जेट्स का पहरा बीच हवा में बदले रास्ते

चौंकाने वाली बात ये है कि ये कोई इकलौती घटना नहीं है। इससे ठीक दो दिन पहले यानी मंगलवार को भी ऐसा ही एक दौर आया था, जब कम से कम 7 उड़ानों और एक क्रूज शिप को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। हालांकि गनीमत ये रही कि इन तमाम चेकिंग के बाद किसी भी विमान में कोई विस्फोटक या बम नहीं मिला। लेकिन बार-बार मिल रही इन धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। जानकारों का मानना है कि ये धमकियां भले ही बाद में अफवाह साबित हो रही हों, लेकिन इनके पीछे का मकसद कुछ और ही हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद यूरोप के गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। पश्चिमी अधिकारी दबी जुबान में इसे हाइब्रिड ऑपरेशंस और तोड़फोड़ का नाम दे रहे हैं। उनका इशारा साफ तौर पर रूस और ईरान की तरफ है।

सत्ता से नेतन्याहू की विदाई तय, विरोधी गादी को मिला मैजिक नंबर



तेलअवीव, आरएनएन। इजराइल में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ होता दिख रहा है। इजराइल की अरब पार्टी जॉइंट लिस्ट ने बेंजामिन नेतन्याहू के प्रतिद्वंदी गादी आइसेनकोट को समर्थन देने की घोषणा की है। 11 सीटें जीतने वाली जॉइंट लिस्ट का कहना है कि वह राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग से अगले प्रधानमंत्री के रूप में याशार पार्टी के चेयरमैन गादी आइसेनकोट के नाम की सिफारिश करेगी। राआम पार्टी पहले ही गादी को सपोर्ट करने की घोषणा कर चुकी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की 4 नवंबर की रिपोर्ट के मुताबिक राआम के चीफ मंसूर अब्बास ने बयान जारी कर कहा था कि वह राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग के सामने आइसेनकोट को अगली सरकार बनाने के लिए समर्थन देने की सिफारिश करेगी। इस पार्टी के पास 8 सीटें हैं।

इजराइल की अरब पार्टियों ने किया समर्थन

पीओके में प्रदर्शनकारियों पर पाक सेना ने किया हमला, 18 की मौत

पाक रेंजर्स ने ड्रोन से बरसाए बम, निहत्थों पर किया जुल्म

नई दिल्ली/संचार जगत



पीओके में पांच माह से चल रहे प्रदर्शन को कुचलने के लिए पाक सेना आम लोगों पर युद्ध में इस्तेमाल होने वाले हथियारों का इस्तेमाल करने लगी है। पीओके के रावलाकोट में प्रदर्शनकारियों पर इस्तेमाल हथियारों के सबूत मिले हैं।

इस प्रदर्शन के प्रमुख आयोजक सरदार उमर नजीर ने प्रदर्शनकारियों और आम नागरिकों के घरों पर पाकिस्तानी रेंजर्स और एफसी द्वारा ड्रोन से गिराए गए बम के पुर्जे को उमर फारूक चौक पर सबके सामने दिखाया और दुनिया भर की मानवाधिकार संस्थाओं से इसका संज्ञान लेने की अपील की। रावलाकोट बस टर्मिनल जहां पर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए रेंजर्स और एफसी ने सुबह 8 बजे से गोलीबारी और बमबारी शुरू की थी। वहां पर प्रदर्शनकारियों ने पाक सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाला आरपीजी-7 रॉकेट की टेल फिन भी बरामद करके दिखाया कि किस तरह से पाकिस्तानी सेना निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर ना सिर्फ गोली चला रही है, बल्कि ड्रोन से बम बरसा रही है और आरपीजी-7 रॉकेट से भी निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर हमले कर रही है।

23 की हालत गंभीर

रावलाकोट में पाक रेंजर्स और एफसी की फायरिंग, ड्रोन बमबारी और आरपीजी-रॉकेट से हमले में चार बच्चों समेत 18 प्रदर्शनकारी मारे जा चुके हैं और 23 प्रदर्शनकारियों का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। पीओके पुलिस ने जारी किए गए अपने बयान में प्रदर्शनकारियों पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया और उन्हें दंगाई कहा। हालांकि पीओके पुलिस ने ड्रोन हमले और आरपीजी-7 रॉकेट से प्रदर्शनकारियों पर हमले पर कोई जवाब अपनी प्रेस रिलीज में नहीं दिया। पीओके में प्रदर्शनकारियों पर युद्ध में इस्तेमाल होने वाले हथियारों से पाक रेंजर्स और एफसी द्वारा हमला करने के बाद प्रदर्शनकारियों ने उमर फारूक चौक धरना स्थल पर पाक सेना, रेंजर्स, एफसी और पीओके पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और उन्हें आतंकी करार दिया।

खान मंत्रियों के सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री रेड्डी बोले

खनन से मिलने वाले राजस्व का 94 से 96 फीसदी हिस्सा राज्यों को मिलता है : रेड्डी

नई दिल्ली/संचार जगत

कोयला एवं खान मंत्री ने गोवा में खान मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि खनन क्षेत्र को लेकर केंद्र का दृष्टिकोण राजस्व जुटाने पर आधारित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य देश के विकास के लिए जरूरी खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और रोजगार के अवसर पैदा करना है। रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार को रॉयल्टी, नीलामी प्रीमियम या जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) से कोई पैसा नहीं मिलता है।

सरकार खनन से कोई राजस्व नहीं ले रही

खनिजों पर एकत्रित जीएसटी (माल एवं सेवा कर) का 50 प्रतिशत हिस्सा ही केंद्र के पास आता है। उन्होंने कहा, "मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारत सरकार खनन क्षेत्र से कोई राजस्व नहीं ले रही है। खनन से जो भी राजस्व मिलता है, उसका 94 से 96 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकारों को जाता है और यह व्यवस्था जारी रहेगी।"

कोयला खनन से राज्य सरकारों का राजस्व 70,000 करोड

मंत्री ने कहा कि गैर-कोयला खनन से राज्य सरकारों का राजस्व 2014-15 में करीब 13,000 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 70,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि डीएमएफ से होने वाला पूरा संग्रह राज्य सरकारों को मिलता है। इस कोष के तहत करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार खनन गतिविधियों से कोई राजस्व नहीं जुटाती है और इस क्षेत्र से होने वाली आय का 96 प्रतिशत तक हिस्सा राज्य सरकारों को मिलता है। उन्होंने साथ ही कहा कि यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी।

- केंद्र सरकार खनन गतिविधियों से कोई राजस्व नहीं जुटाती
- केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी
- खनिजों पर एकत्रित जीएसटी का 50% हिस्सा ही केंद्र के पास आता है



कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा

कोयला गैसीकरण पहल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र की परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 46,000 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन निर्धारित किए हैं। महत्वपूर्ण खनिजों का मजबूत तंत्र विकसित करने में भी सरकार पर्याप्त धन निवेश कर रही है।

एक अरब टन कोयला उत्पादन का आंकड़ा पार

मंत्री ने कहा कि सरकार खोज, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण को शामिल करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों का मजबूत घरेलू तंत्र विकसित करने पर काम कर रही है। रेड्डी ने यह भी कहा कि भारत ने एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है, जबकि प्रमुख खनिजों के उत्पादन का मूल्य पिछले दशक में चार गुना बढ़कर 2025 में 1.89 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

खनन में करीब 1.3 करोड़ रोजगार के अवसर

मंत्री ने बताया कि खनन क्षेत्र ने देश में करीब 1.3 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इसके अलावा, इससे जुड़ी गतिविधियों के जरिये बड़े पैमाने पर अप्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रमुख खनिजों के उत्पादन का मूल्य 2025 में 1.89 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले 10 वर्षों में चार गुना वृद्धि दर्शाता है।

नीलामी, रॉयल्टी के स्रोत राज्यों के

रेड्डी ने कहा, "चाहे नीलामी प्रीमियम हो, रॉयल्टी हो या डीएमएफ, केंद्र इन स्रोतों से एक रुपया भी नहीं लेता है। यह राजस्व राज्यों का है।" उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार खनन क्षेत्र से राजस्व जुटाने के बजाय विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के जरिये इसमें निवेश कर रही है।

सीएम विजय ने 10वीं-12वीं बोर्ड के टॉपर्स को खुद पहनाया सोने का हार

गिफ्ट के साथ सर्टिफिकेट और आर्थिक मदद भी दी



चेन्नई, आरएनएन। तमिलनाडु में 10वीं और 12वीं की बोर्ड में टॉप करने वाले स्टूडेंट को सीएम विजय ने सोने के हार बांटे हैं। चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विजय ने खुद 10वीं और 12वीं के टॉपर को सोने का हार पहनाकर सम्मानित किया।

इस दौरान उन्होंने टॉपर्स को सोने के हार के साथ- साथ सर्टिफिकेट और आर्थिक मदद भी दी। यह कार्यक्रम टीवीके एजुकेशनल अवॉर्ड्स के पहले चरण के तहत आयोजित किया गया था। इस इवेंट का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इसमें मुख्यमंत्री छात्राओं को सोने का हार पहनाते दिखाई दे रहे हैं। इस कार्यक्रम में तिरुवन्नामलाई की 12वीं की छात्रा मोनिका भी सम्मानित हुईं। उन्होंने 600 में से 566 अंक हासिल किए हैं। वहीं, कुड्डालोर की 10वीं की छात्रा श्रीनिधि ने 500 में से 494 अंक हासिल किए।

अग्नि हादसों की सूचना के लिए कंट्रोल रूम स्थापित, नंबर जारीः आमजन दे सकेगा सूचना

देवली। दीपावली त्योहार के मद्देनजर नगर पालिका प्रशासन ने अग्नि हादसों पर त्वरित नियंत्रण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। अधिशासी अधिकारी अमर चंद गुर्जर की ओर से जारी आदेश के अनुसार 6 से 11 नवंबर तक अग्निशमन शाखा के कर्मचारियों की दो पारियों में ड्यूटी लगाई गई है। प्रथम पारी सुबह 7 से शाम 7 बजे तथा द्वितीय पारी शाम 7 से सुबह 7 बजे तक रहेगी। प्रथम पारी में हीरालाल मीणा, प्रद्युम्न सिंह, दिनेश गोचर, ब्रजराज मीणा एवं नीरज चौधरी तथा द्वितीय पारी में धर्मेन्द्र कुमार मीणा, विजय मीणा, प्रदीप सिंह, दिग्विजय सिंह राणावत, कमल मेहता एवं रमेश मीणा की ड्यूटी लगाई गई है। अग्नि हादसों की सूचना के लिए कंट्रोल रूम नं 01434-230821, 8003998036 जारी किए

हूतियों ने सऊदी अरब के सामने रखी शर्तें, मांगे 51 अरब डॉलर

सना, आरएनएन। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के सामने शांति के बदले में बेहद भारी शर्तें रख दी हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब से युद्धविराम के बदले में 51 अरब अमेरिकी डॉलर की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह शर्त भी रखी है कि रियाद उन्हें यमन का असली शासक मान ले। यह मांग तब सामने आई जब हूतियों ने लाल सागर में सऊदी तेल टैंकरों पर हमला किया और रियाद तनाव को और बढ़ने से रोकना चाहता था। अगर सऊदी अरब यह शर्त मान लेता है, तो इसका मतलब सिर्फ पैसे देना नहीं होगा। इससे रियाद को ईरान के समर्थन वाले एक हथियारबंद समूह को अपने दक्षिणी पड़ोसी देश का शासक स्वीकार करना पड़ेगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की दमदार रफ्तार जारी

नई दिल्ली। भारत के मशहूर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद, पिछले साल के मुकाबले अपनी सबसे ज्यादा ग्रोथ हासिल की है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने डबल-डिजिट ग्रोथ दर्ज की है। इन नतीजों पर बात करते हुए, एलजीई इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर होंग जू जियोन ने कहा हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने लगातार दूसरी तिमाही में शानदार नतीजे दिए हैं, जिससे हमारी पहली छमाही भी बहुत मजबूत रही है। यह प्रदर्शन भारत की कंज्यूमर इयूरेबल्स इंडस्ट्री की ताकत को दिखाता है। लोगों की बढ़ती आमदनी, प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बढ़ती चाहत और शहरों से लेकर उभरते बाजारों तक पहुंच बढ़ने का फायदा इस इंडस्ट्री को मिल रहा है। एक लिस्टेड कंपनी के तौर पर एलजीई इंडिया का पहला साल पूरा हो रहा है, और यह प्रदर्शन हमारे शेयरधारकों के हम पर भरोसे और उनके लिए लंबे समय का फायदा बनाने के हमारे वादे को दिखाता है।

धनतेरस पर आभूषणों की मांग बढ़ने की उम्मीद

मुंबई (एजेंसी)। सोने की कीमतों में हाल में आई बड़ी गिरावट से ग्राहकों का रुझान बढ़ने के कारण इस धनतेरस पर आभूषणों की बिक्री अच्छी रहने की उम्मीद है। इससे हल्के आभूषणों और कम कीमत वाली छोटी खरीदारी की मांग बढ़ी है। हालांकि, मात्रा के लिहाज से बिक्री पिछले साल के लगभग बराबर रहने का अनुमान है। आभूषण उद्योग के प्रतिनिधियों के मुताबिक, सोना-चांदी की खरीद के लिए शुभ माने जाने वाले पर्व धनतेरस पर आभूषणों की बिक्री का मूल्य 20-30 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। सोने की कीमतों में गिरावट से इस धनतेरस पर मांग बढ़ने की उम्मीद है। धनतेरस पर मात्रा के लिहाज से बिक्री पिछले साल के स्तर पर ही बनी रह सकती है लेकिन ऊंची कीमतों के कारण बिक्री मूल्य में 20-30 प्रतिशत तेजी रह सकती है। उन्होंने कहा कि सोने और चांदी की खरीद आम तौर पर बचत की रकम से की जाती है। धनतेरस से जुड़ी त्योहारी मांग आने और अंतरराष्ट्रीय संकेतों की वजह से सोने के भाव में फौरी तेजी देखी गई। विश्व स्वर्ण परिषद के भारत क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन जैन ने कहा कि सोने की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट से आभूषणों की मांग को प्रोत्साहन मिला है। जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता ने कहा कि सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट से देशभर में उपभोक्ताओं का रुझान बेहतर हुआ है।



साझे आनन्द का उत्सव है पंच दिवसीय दीपावली पर्व : देवनानी

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। देवनानी ने कहा है कि पंच दिवसीय दीपोत्सव साझे आनन्द का उत्सव है।



मतदान प्रक्रिया का लिया जायजा, मतदान दलों को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मरुधर आवाज

खैरथल-तिजारा। रवि दासवानी/ पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश ने पंचायत समिति किशनगढ़बास की ग्राम पंचायत बृसंगपुर, राताखुर्द, बाघोड़ा, मिर्जापुर, मोठूका, इस्माइलपुर सहित विभिन्न ग्राम पंचायत के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्र पर पहुंचकर जारी मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया तथा मतदान दलों से अब तक हुए मतदान, मतदाताओं की उपस्थिति एवं मतदान की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मतदान केंद्र पर उपस्थित मतदाताओं से संवाद कर मतदान व्यवस्थाओं एवं उन्हें उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। उन्होंने मतदान केंद्र पर कानून



एवं सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन करते हुए सुरक्षा में तैनात कार्मिकों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा मतदान प्रक्रिया के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान पूर्णतः स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्र पर पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की भी जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो तथा विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं महिलाओं को मतदान के दौरान आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। उन्होंने मतदान दलों को निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र मतदाता को बिना किसी भेदभाव एवं बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले। मतदान केंद्र पर आने वाले मतदाताओं की पहचान एवं निर्धारित निर्वाचन प्रक्रिया का नियमानुसार पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मतदान की गोपनीयता बनाए रखने, निर्धारित प्रोटोकॉल की पालना करने तथा मतदान समाप्ति तक पूरी मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया की सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या, शिकायत अथवा अप्रिय स्थिति की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। संपर्क : 0141 463 7668
ई-मेल : sancharjagat@gmail.com| आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262 समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।